विषय सूची / CONTENTS

विषय सूची	पृष्ठ संख्या Page No.	CONTENTS
दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 1986	4	Dada Sahab Phalke Award for 1986
निर्णायक मण्डल	6	Jury
कथाचित्र पुरस्कार		**AWARDS FOR FEATURE FILMS**
सर्वोत्तम कथाचित्र	10	Best Feature Film
निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फिल्म के लिए इन्दिरा गांधी पुरस्कार	12	Indira Gandhi Award for the Best First Film of a Director
सर्वोत्तम लोकप्रिय एवं पूर्ण मनोरंजन देने वाली फिल्म	14	Best Film providing Popular and Wholesome Entertainment
सामाजिक समस्याओं पर सर्वोत्तम फिल्म	16	Best Film on Social Issues
सर्वोत्तम निर्देशन	18	Best Direction
सर्वोत्तम छायांकन	20	Best Cinematography
सर्वोत्तम पटकथा	22	Best Screenplay
सर्वोत्तम अभिनेता	24	Best Actor
सर्वोत्तम अभिनेत्री	26	Best Actress
सर्वोत्तम सह-अभिनेता	28	Best Supporting Actor
सर्वोत्तम सह-अभिनेत्री	30	Best Supporting Actress
सर्वोत्तम बाल कलाकार	32	Best Child Artiste
सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन	34	Best Audiography
सर्वोत्तम सम्पादन	36	Best Editing
सर्वोत्तम कला निर्देशन	38	Best Art Direction
सर्वोत्तम संगीत निर्देशन	40	Best Music Direction
सर्वोत्तम पार्श्व गायक	42	Best Male Playback Singer
सर्वोत्तम पार्श्व गायिका	44	Best Female Playback Singer
सर्वोत्तम वेशभूषा	46	Best Costume Designing
निर्णायक मण्डल विशेष पुरस्कार	48	Special Jury Award
सर्वोत्तम असमिया फिल्म	50	Best Assamese Film
सर्वोत्तम बंगला फिल्म	52	Best Bengali Film
सर्वोत्तम हिन्दी फिल्म	54	Best Hindi Film
सर्वोत्तम कन्नड़ फिल्म	56	Best Kannada Film
सर्वोत्तम मलयालम फिल्म	58	Best Malayalam Film
सर्वोत्तम उड़िया फिल्म	60	Best Oriya Film
सर्वोत्तम तमिल फिल्म	62	Best Tamil Film
सर्वोत्तम तेलुगु फिल्म	64	Best Telugu Film
सर्वोत्तम फिल्म – अंग्रेजी भाषा	66	Best Film – English Language
गैर कथाचित्र पुरस्कार		**AWARDS FOR NON-FEATURE FILMS**
सर्वोत्तम गैर कथाचित्र	70	Best Non-feature Film
सर्वोत्तम मानव शास्त्रीय/मानवजातीय फिल्म	72	Best Anthropological/Enthnographic Film
सर्वोत्तम जीवनी सम्बंधी फिल्म	74	Best Biographical Film
सर्वोत्तम कला/सांस्कृतिक फिल्म	76	Best Arts/Cultural Film
...कृति विज्ञान सहित) फिल्म	78	Best Scientific Film (including Environment and Ecology)
सर्वोत्तम औद्योगिक फिल्म	80	Best Industrial Film
...पशुपालन/डेयरी आदि फिल्म	82	Best Agricultural/Animal Husbandry/Dairying etc. Film
...हासिक पुनःनिर्माण/संकलन फिल्म	84	Best Historical Reconstruction/Compilation Film
सामाजिक विषयों पर सर्वोत्तम फिल्म	86	Best Social Issues Film
...प्रेरक फिल्म	88	Best Educational/Motivational Film
सर्वोत्तम समाचार चित्र	90	Best News Film

सर्वोत्तम ऐनिमेशन फिल्म	92	Best Animation Film
निर्णायक मंडल विशेष पुरस्कार	94	Special Jury Award
सर्वोत्तम सिनेमा लेखन पुरस्कार		**AWARDS FOR THE BEST WRITING ON CINEMA**
सर्वोत्तम सिनेमा पुस्तक	98	Best Book on Cinema
सर्वोत्तम फिल्म पत्रकार	100	Best Film Journalist
विशेष उल्लेख/पुरस्कार जो नहीं दिए गए	102	Special Mention/Awards not given
कथाचित्र-कथासार		**Synopses: Feature Films**
अम्मा अरियन (मलयालम)	105	Amma Ariyan (Malayalam)
बान (असमिया)	106	Baan (Assamese)
भंग सिलता (उड़िया)	107	Bhanga Silata (Oriya)
दूरे-दूरे ओरु कुडु कुट्टाम (मलयालम)	108	Doore Doore Oru Koodu Koottam (Malayalam)
लालन फकीर (बंगला)	109	Lalan Fakir (Bengali)
माधवाचार्य (कन्नड़)	110	Madhavacharya (Kannada)
माझी पाहन्वा (उड़िया)	111	Majhi Pahacha (Oriya)
मिर्च मसाला (हिन्दी)	112	Mirch Masala (Hindi)
मौन रागम (तमिल)	113	Mouna Ragam (Tamil)
नखक्षतंगल (मलयालम)	114	Nakhakshathangal (Malayalam)
नमुक्कु पारक्कन मुन्दिरि तोप्पुकल (मलयालम)	115	Namukku Parkkan Munthiri Thoppukal (Malayalam)
ओरिडथ (मलयालम)	116	Oridath (Malayalam)
परिणति (हिन्दी)	117	Parinati (Hindi)
पथ भोला (बंगला)	118	Path Bhola (Bengali)
फेरा (बंगला)	119	Phera (Bengali)
सम्सारम अधु मिन्सारम (तमिल)	120	Samsaram Adhu Minsaram (Tamil)
शंखनाद (कन्नड़)	121	Shanka Nada (Kannada)
स्वाति मुथ्यम (तेलुगु)	122	Swathi Muthyam (Telugu)
तबरना कथे (कन्नड़)	123	Tabarana Kathe (Kannada)
उप्पु (मलयालम)	124	Uppu (Malayalam)
वाचमैन (अंग्रेजी)	125	Watchman (English)
यह वो मंजिल तो नहीं (हिन्दी)	126	Yeh Woh Manzil to Nahin (Hindi)
गैर कथाचित्र कथासार		**Synopses: Non-Feature Films**
ए॰बी॰सी	129	A.B. See
क्लासिकल डांस फार्म्स ऑफ इण्डिया – कुडिआट्टम	129	Classical Dance Forms of India – Koodiattam
ईक्वल पार्टनर्स	130	Equal Partners
फॉर ए बैटर लिविंग	130	For a Better Living
इन्नर इंस्टिंक्ट्स	131	Inner Instincts
कामधेनु रिडीम्ड	131	Kamadhenu Redeemed
कमला नेहरू	132	Kamala Nehru
द लैण्ड ऑफ सैन्ड ड्यून्स	132	The Land of Sand Dunes
द लैन्ड वेर द विन्ड ब्लोज फ्री	133	The Land Where the Wind Blows [illegible]
मित्रनिकेतन वैलानाड	133	Mitraniketan Vellanad
आवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2	134	Our Islamic Heritage – Part II
सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानंगानम	134	Sister Alphonsa of Bharanang[illegible]
द पोप मीट्स इण्डिया (समाचार चित्र संख्या 70)	135	The Pope Meets India (News [illegible])
दि स्टोरी ऑफ ग्लास	135	The Story of Glass
ट्री स्पाईसस: सिन्नमन भाग 1	136	Tree Spices-Cinnam[illegible]
वी द पीपल ऑफ इण्डिया	136	We the People of India

1986 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

बी० नागी रेड्डी

स्वर्ण कमल, 1,00,000/- रुपये का नकद पुरस्कार तथा एक शाल

75 वर्षीय **बी० नागी रेड्डी** का जन्म 2 दिसम्बर 1912 में हुआ। वे गत् 35 वर्षों से तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम तथा हिन्दी फिल्मों का निर्माण कर रहे हैं। उनकी अधिकतर फिल्मों में खुशी से परिपूर्ण सदाचारी जीवन की दार्शनिकता स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने वाहिनी स्टूडियो का निर्माण किया जो पूरे दक्षिण एशिया में श्रेष्ठ है। दूरदर्शिता एवं समर्पण की भावना से युक्त उन्होंने सफल फिल्म निर्माता के रूप में फिल्म उद्योग का नया मार्ग प्रशस्त किया है।

1945 में उनकी पहली फिल्म **साहूकारू** से लेकर सबसे बाद की 1981 में बनी फिल्म **श्रीमान श्रीमती** तक वे 35 फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। उनकी धारणा है कि फिल्म निर्माण एक सहयोगी कला है जिसमें फिल्म उद्योग संबंधी कला एवं प्रतिभा से परिपूर्ण किसी भी नए किरदार को उन्होंने अवसर प्रदान किया है।

वे साऊथ इन्डियन फिल्म चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं फिल्म फेडरेशन ऑफ इन्डिया के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के क्षेत्रीय एवं केन्द्रीय पैनलों में भी कार्य किया है।

1972-73 के लिए उन्हे **तमिल नाडु ईयल ईसई नाटक मनरम** द्वारा **कलयमामणि** उपाधि से सम्मानित किया गया। देश में लोगों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का सिनेमा कला के माध्यम से विकास एवं संवर्द्धन करने के लिए श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा कानून की मानद डिग्री से भी उन्हें सम्मानित किया गया।

वे स्वर्गीय श्री बी०एन० रेड्डी के भाई हैं, जिन्हें 1975 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

dada saheb phalke award for 1986

B. NAGI REDDI

Swarna Kamal, a cash prize of Rs. 1,00,000/- and a shawl.

Born on December 2, 1912, B. NAGI REDDI is now in his mid-seventies. He has produced several motion pictures in Telugu, Tamil, Kannada, Malayalam and Hindi during the last 35 years. Most of his films reflect a philosophy of living with a happy blend of righteousness and joy. B. Nagi Reddi has the distinction of having nurtured and developed the Vauhini Studios as one of the biggest and best in South Asia. A man of vision and dedication, he has emerged as a highly successful enterpreneur, giving new dimensions to the film industry.

Starting with SHAHUKARU in 1945, upto his latest, SHRIMAN SHRIMATI in 1981, he has produced more than 35 films. He has considered motion picture making a collaborative art, recognising talent by affording opportunities to anyone with any potential relevant to the film industry.

B. Nagi Reddi has been the President of the South Indian Film Chamber of Commerce and also of the Film Federation of India. He has also served on Regional and Central Panels of the Central Board of Film Certification.

He is the recipient of the "Kalaimamani" title conferred on him by the TAMIL NADU IYAL ISAI NATAKA MANRAM for the year 1972-73. He holds an honorary Degree of Law conferred on him by the Sri Venkateswara University, Tirupathi for his contribution to the growth and development of the cinematic art in the country and the social and cultural life of the people.

B. Nagi Reddy is the brother of the late B.N. Reddi, who was also awarded the Dada Saheb Phalke Award in the year 1975.

कथाचित्र निर्णायक मंडल

भीष्म साहनी (अध्यक्ष)

अशोक मित्रन्

जाहनू बरुआ

एन० कृष्णमूर्ति

आर० लक्ष्मण

रमेश नायडू

सई परांजपै

शंकर भट्टाचार्य

स्वपन घोष

टी० प्रकाश राव

jury for feature films

Bhisham Sahni (Chairman)

Ashok Mitran

Jahnu Barua

N. Krishnamoorthy

R. Lakshman

Ramesh Naidu

Sai Paranjpye

Sankar Bhattacharya

Swapan Ghosh

T. Prakash Rao

गैर कथाचित्र निर्णायक मंडल

अडूर गोपालकृष्णन् (अध्यक्ष)

जलाल आघा

मनमोहन शेट्टी

शिवन

सिनेमा लेखन निर्णायक मंडल

विजय तेंदूलकर (अध्यक्ष)

दिब्येदु पालित

एस० जयचन्द्रन नायर

jury for non-feature films

Adoor Gopalakrishnan (Chairman)

Jalal Agha

Manmohan Shetty

Sivan

jury for writing on cinema

Vijay Tendulkar (Chairman)

Dibyendu Palit

S. Jayachandran Nair

कथाचित्र पुरस्कार
AWARDS FOR FEATURE FILMS

सर्वोत्तम कथाचित्र पुरस्कार

तबरना कथे (कन्नड़)

निर्माता **अपूर्व चित्र** को स्वर्ण कमल और 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार
निर्देशक **गिरीश कासरवल्ली** को स्वर्ण कमल और 25,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम कथाचित्र का पुरस्कार कन्नड़ फिल्म **तबरना कथे** को एक ऐसे असहाय व्यक्ति के क्षोभ को अत्यंत संवेदनशील ढंग से उजागर करने के लिये दिया गया है जो नौकरशाही के जाल में फंस गया है। यह व्यक्ति पेंशन के लिये लंबी इंतजार करता है जो उसे तब मिलती है जब बहुत देर हो चुकी होती है। उसकी स्थिति को बहुत भावप्रवण और कुशल ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

award for the best feature film:

TABARANA KATHE (Kannada)

Swarna Kamal and a cash prize of Rs 50,000/- to the Producer APOORVA CHITRA
Swarna Kamal and a cash prize of Rs 25,000/- to the Director GIRISH KASARAVALLI

citation:

The Award for the Best Feature Film of 1986 is given to the Kannada film TABARANA KATHE for an extremely sensitive probe into the anguish of a helpless individual caught in a bureaucratic web, depicted with great feeling and expertise as he waits for his pension, which arrives too late.

गिरीश कासरवल्ली भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान के स्नातक हैं। वे कन्नड़ फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्र जीवन में बनाई गई उनकी फिल्म **अवशेष** को 1976 की सर्वोत्तम लघु फिल्म का राष्ट्रपति का पदक मिला। उनके पहले कथाचित्र **घटश्राद्ध** को अन्तरराष्ट्रीय ख्याति मिली और साथ ही 1978 का राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। **तबरना कथे** फिल्म उन्होंने 6 वर्ष के अन्तराल के बाद बनाई।

In his mid-thirties, GIRISH KASARAVALLI represents the resurgence of a younger school of Kannada film makers. Kasaravalli is an FTII graduate. His student film AVASHESH won the President's Medal as the best short film of 1976. His first feature films GHATASHRADDHA has been internationally acclaimed and won the President's Gold Medal for 1978. TABARANA KATHE is his latest film, after a gap of six years.

निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फिल्म के लिये इन्दिरा गांधी पुरस्कार

यह वो मंजिल तो नहीं (हिन्दी)

निर्माता **सुधीर मिश्र** को स्वर्ण कमल और 25000/- रुपये का नकद पुरस्कार
निर्देशक **सुधीर मिश्र** को स्वर्ण कमल और 25000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का निर्देशक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम फिल्म का इंदिरा गांधी पुरस्कार **सुधीर मिश्र** को उनकी हिन्दी फिल्म **यह वो मंजिल तो नहीं** में तीन वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानियों की आंखों से देखे इतिहास के गहन विश्लेषण और समकालीन परिस्थितियों में सामाजिक अन्याय के प्रति उनके दृष्टिकोण के प्रभाव को चित्रित करने के लिए दिया गया है।

indira gandhi award for the best first film of a director:

YEH WOH MANZIL TO NAHIN (Hindi)

Swarna Kamal and cash prize of Rs 25,000/- to the Producer SUDHIR MISHRA.
Swarna Kamal and a cash prize of Rs 25,000/- to the Director SUDHIR MISHRA.

citation:

The Indira Gandhi Award for the Best First Film of a Director of 1986 is given to SUDHIR MISHRA for his Hindi film YEH WOH MANZIL TO NAHIN for an incisive analysis of history as seen through the eyes of three elderly freedom fighters and its impact on their stand against social injustice in contemporary times.

सुधीर मिश्र 1977 से 1980 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान विषय में एम० फिल्० करते हुए नाटकों में काफ़ी सक्रिय रहे। उन्होंने एम०के० रैना तथा बादल सरकार के साथ काम किया। 1980 के बाद से सुधीर मिश्र विनोद चोपड़ा, कुन्दन शाह तथा सईद मिर्ज़ा के साथ निर्देशन तथा पटकथालेखन सहायक के रूप में काम करते रहे हैं। **यह वो मंजिल तो नहीं** उनकी स्वतंत्र रूप से निर्देशित पहली फिल्म है।

Between 1977-80, while doing M. Phil. in Psychology at Delhi University, SUDHIR MISHRA was actively involved in theatre and collaborated with M.K. Raina and Badal Sircar. Since the early eighties, Mishra has assisted Vinod Chopra, Kundan Shah and Saeed Mirza in direction and script writing. YEH WOH MANZIL TO NAHIN is his first independent directorial venture.

सर्वोत्तम लोकप्रिय और पूर्ण मनोरंजन देने वाली फिल्म का पुरस्कार

सम्सारम अधु मिन्सारम (तमिल)

निर्माता **ए०वी०एम० प्रोडक्शंस** को स्वर्ण कमल और 40,000/- रुपये का नकद पुरस्कार
निर्देशक **विशु** को स्वर्ण कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 की सर्वोत्तम लोकप्रिय और पूर्ण मनोरंजन देने वाली फिल्म का पुरस्कार तमिल कथाचित्र **सम्सारम अधु मिन्सारम** को एक जटिल समसामयिक सामाजिक समस्या, संयुक्त परिवार के बिखराव को मनोरंजक शैली में प्रस्तुत करने के लिये दिया गया है।

award for the best film providing popular and wholesome entertainment:

SAMSARAM ADHU MINSARAM (Tamil)

Swarna Kamal and a cash prize of Rs 40,000/- to the Producer M/S. A.V.M. PRODUCTIONS
Swarna Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Director VISU

citation:

The Award for the Best Film providing Popular and Wholesome Entertainment of 1986 is given to the Tamil film SAMSARAM ADHU MINSARAM for its entertaining presentation of a complex contemporary social problem — the disintegration of the joint family.

विशु के नाम से मशहूर **एम० आर० विश्वनाथन** कई पर्यटन एजेन्सियों में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने कई नाटक और फिल्मों के लिए पटकथाएं लिखी हैं। उन्होंने अनेक तमिल फिल्मों का निर्देशन भी किया है। वे जिस फिल्म के संवाद लिखते हैं, आमतौर पर उसमें अभिनय भी करते हैं।

M.R. VISHWANATHAN, popularly known as VISU, has been working with various travel agencies, in different capacities. He has written several popular stage plays and screenplays, and has also directed a number of Tamil films. He generally acts in films for which he has written the dialogue.

सामाजिक समस्याओं पर सर्वोत्तम कथाचित्र पुरस्कार

दूरे दूरे ओरू कूडु कूट्टाम (मलयालम)

निर्माता **एम० मणि** को रजत कमल और 30,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **सिबी मलायिल** को रजत कमल और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सामाजिक समस्याओं पर सर्वोत्तम कथाचित्र का पुरस्कार मलयालम फिल्म **दूरे दूरे ओरू कूडु कूट्टाम** को एक हृदयस्पर्शी फिल्म में दूरदराज के इलाकों में शिक्षा प्रणाली में ईमानदारी की अत्यंत आवश्यकता को सुन्दर ढंग से चित्रित करने के लिये दिया गया है।

award for the best film on socal issues:

DOORE DOORE ORU KOODU KOOTTAM (Malayalam)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 30,000/- to the Producer M. MANI

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 15,000/- to the Director CIBI MALAYIL

citation:

The Award for the Best Film on Social Issues of 1986 is given to the Malayalam film DOORE DOORE ORU KOODU KOOTTAM for focussing on the dire need for integrity in the educational system in remote areas in a heart-warming film, charmingly narrated.

एम० मणि मलयालम फिल्मों के जाने-माने निर्माता निर्देशक हैं। 1976 से वे 23 फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं, जिनमें से 7 का निर्देशन भी उन्होंने ही किया है। उनके निर्देशन में बनी सभी फिल्में काफी लोकप्रिय हुई हैं। वे एक सफल फिल्म वितरक भी हैं।

M. MANI is a well known producer-cum-director of Malayalam films. Since 1976, he has produced twenty-three Malayalam films, of which he has directed seven. All the films directed by him have been box office hits. He is a successful film distributor too.

सिबी मलायिल ने 1978 में केरल विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद नवोदय स्टूडियो में सहायक निर्देशक के रूप में अपना फिल्मी जीवन शुरू किया। उनकी पहली फिल्म **मुथारम कुन्नू पी०ओ०** (1985) की काफी सराहना हुई। **दूरे दूरे ओरु कूडु कूट्टाम** उनकी तीसरी फिल्म है।

CIBI MALAYIL started his career as assistant director at Navodaya Studios, after graduating from Kerala University in 1978. His first film MUTHARAM KUNNU P.O. (1985) received critical appreciation. DOORE DOORE ORU KOODU KOOTTAM is his third film.

सर्वोत्तम निर्देशन पुरस्कार

जी० अरविन्दन

निर्देशक **जी० अरविन्दन** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम निर्देशन पुरस्कार **जी० अरविन्दन** को मलयालम फिल्म **ओरिडथ** में तकनीकी प्रगति के प्रभाव में बदलते हुए समाज का कुशल तथा सशक्त ढंग से चित्रण करने के लिए दिया गया है।

award for the best direction:

G. ARAVINDAN

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Director G. ARAVINDAN.

citation:

The Award for the Best Direction of 1986 is given to G. ARAVINDAN for his work in the Malayalam film ORIDATH for his masterly and powerful depiction of changing society reeling under the onslaught of technical progress.

जी० अरविन्दन बहुमुखी प्रतिभा और रुचियों से सम्पन्न व्यक्ति हैं। वे पहले केरल सरकार के कर्मचारी थे। वे एक अच्छे चित्रकार तथा कार्टूनकार भी हैं। उन्होंने एक प्रसिद्ध मलयालम साप्ताहिक पत्रिका के लिए "दि स्माल मैन एंड दि बिग वर्ल्ड" नाम से धारावाहिक कार्टून बनाए, जो बहुत लोकप्रिय हुए। उन्होंने कई नाटक कंपनियों में भी काम किया, तथा अनेक शास्त्रीय और लोकनाटकों की रचना की। उन्होंने अपना फिल्मी जीवन 1973 में शुरू किया। उनकी सभी आठों फिल्मों **उत्तरायणम्, कंचनसीता, थम्प, इस्थापन्न, कुमट्टी, पोक्कुवेईल, चिदम्बरम्** तथा **ओरीडथ** को पुरस्कार मिले हैं।

Till recently, G. ARAVINDAN was a civil servant with the Government of Kerala. His talents and interests have been unfettered. He has been a distinguished painter and cartoonist, and created his popular cartoon serial, "The Small Man and the Big World" for a well-known Malayalam weekly. He has worked for different theatre groups, and has produced classical and folk plays. His film career started in 1973. All the eight films directed by him — UTTARAYANAM, KANCHANA SITA, THAMPU, ESTHAPPAN, KUMMATTY, POKKUVEYIL, CHIDAMBARAM and ORIDATH — have won accolades.

सर्वोत्तम छायांकन पुरस्कार

वेणु

छायाकार **वेणु** को रजत कमल और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम छायांकन पुरस्कार वेणु को मलयालम फिल्म **नमुक्कु पारक्कान मुन्दिरि थोप्पुकल** में अति कुशल और गीतमय दृश्य प्रस्तुतिकरण तथा मलयालम फिल्म **अम्मा अरियन** में ब्लैक एंड वाइट छायांकन में कुशलता प्रदर्शित करने के लिये दिया गया है।

award for the best cinematography:

VENU

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 15,000/- to the Cameraman VENU

Citation:

The Award for the Best Cinematography of 1986 is given to VENU for his work in the Malayalam film NAMUKKU PARKKAN MUNTHIRI THOPPUKAL for the lyrical and brilliant visual presentation and also in recognition of his powerful and disturbing black and white photography in AMMA ARIYAN (Malayalam).

वेणु ने 1973 में भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से छायांकन में डिप्लोमा प्राप्त किया। वे अरविन्दन के **मास्क्स एंड मैन**, मणि कौल के **माटी मानस** और राजीव विजय राघवन के **सिस्टर अलफोन्सा** जैसे उल्लेखनीय वृत्तचित्रों के छायाकार रहे हैं। जिन कथाचित्रों में उन्होंने छायांकन किया है उनमें के०जी० जॉर्ज की फिल्म **इराकल** शामिल है। इन दिनों वे ऐलन बर्किन्शॉ के निर्देशन में दूरदर्शन फिल्म **जवाहर लाल नेहरू** में छायाकार के रूप में काम कर रहे हैं।

VENU obtained his Diploma in Cinematography from FTII, Pune in 1973. He has been the cinematographer in a number of important documentaries like Aravindan's MASKS AND MEN, Mani Kaul's MATI MANAS, and Rajiv Vijay Raghavan's SISTER ALPHONSA. The feature films he has photographed include K.C. George's IRAKAL. Currently he is the cinematographer for the Doordarshan film on JAWAHARLAL NEHRU, being directed by Alan Birkinshaw.

सर्वोत्तम पटकथा पुरस्कार

बुद्धदेब दासगुप्ता

पटकथा लेखक **बुद्धदेब दासगुप्ता** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम पटकथा पुरस्कार **बुद्धदेब दासगुप्ता** को बंगला फिल्म **फेरा** की अन्वेषक तथा संवेदनपूर्ण पटकथा लिखने और अपने व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत जीवन के संदर्भ में अपनी पहचान को तलाशते एक कलाकार की पीड़ा को अभिव्यक्त करने के लिए दिया गया है।

award for the best screenplay:

BUDDHADEB DASGUPTA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Screenplay Writer BUDDHADEB DASGUPTA

citation:

The Award for the Best Screenplay of 1986 is given to BUDDHADEB DASGUPTA for his work in the Bengali film PHERA for a penetrative and sensitive screenplay depicting the trauma faced by an artist in search of his identity in relation to his professional and personal life.

बुद्धदेब दासगुप्ता का जन्म 1944 में हुआ। 1968 से 1976 तक वे कलकत्ता के एक कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक रहे। उनकी फिल्मों **दूरत्व** (1978), **नीम अन्नपूर्णा** (1979), **गृहयुद्ध** (1981), **शीत ग्रीष्मेर स्मृति** (1982), **अन्धी गली** (1984) और **फेरा** (1986) की काफी सराहना हुई है। उनकी सभी फिल्में यूरोप के प्रमुख फिल्म समारोहों में दिखाई गई हैं। वे बंगला के जाने-माने कवि भी हैं और उनकी पांच काव्य पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

BUDDHADEB DASGUPTA was born in Bengal in 1944. He taught Economics at a Calcutta college from 1968 to 1976. His films – DOORATWA (1978), NEEM ANNAPURNA (1979), GRIHAJUDDHA (1981), SHEET GRISHMER SMRITI (1982), ANDHI GALI (1984) and PHERA (1986) – have received critical attention. All his films have been screened at major European festivals. He is also an eminent Bengali poet and has published five books of verse.

सर्वोत्तम अभिनेता पुरस्कार

चारू हासन

अभिनेता **चारू हासन** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम अभिनेता का पुरस्कार **चारू हासन** को कन्नड़ फिल्म **तबरना कथे** में न्याय पाने की अनन्त प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के क्षोभ को अत्यंत हृदयस्पर्शी तथा संयत रूप में अभिव्यक्त करने के लिये दिया गया है।

award for the best actor:

CHARU HASAN

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the actor CHARU HASAN

citation:

The Award for the Best Actor of 1986 is given to CHARU HASAN for his performance in the Kannada film TABARANA KATHE for an immensely moving and controlled portrayal of an individual's anguish, as he waits endlessly for justice.

57 वर्षीय **चारू हासन** ने अपने वकालत व्यवसाय से अपने जीवन के चौथे दशक में सन्यास लिया। तदुपरान्त उन्होंने तमिल फिल्म **राजा परवाई** का निर्माण किया। वे अब तक लगभग 40 फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। वे सफल अभिनेता कमल हासन के बड़े भाई हैं।

CHARU HASAN is fifty-seven years old. He gave up his profession as a practising legal advocate when he was in his late forties. He has produced a Tamil film called RAJA PARVAI, and has acted small roles in about forty-five films. He is the elder brother of the successful actor, Kamal Hasan.

सर्वोत्तम अभिनेत्री पुरस्कार

मोनीषा

अभिनेत्री **मोनीषा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम अभिनेत्री पुरस्कार **मोनीषा** को मलयालम फिल्म **नखक्षतंगल** में अभिनय के लिये दिया गया है जिसमें उन्होंने समस्त मानवीय भावों को अभिव्यक्त किया है और प्रेम में ठुकराई एक ग्रामीण युवती, गौरी, के चरित्र को एकदम नया आयाम दिया है।

award for the best actress:

MONISHA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the actress MONISHA

citation:

The Award for the Best Actress of 1986 is given to MONISHA for her portrayal in the Malayalam film NAKHAKSHATHANGAL in which she depicts an entire range of human emotions and gives an extra dimension to the character of Gowri, a village lass destined to love and lose.

केवल सोलह वर्षीय **मोनीषा** बिशप कॉटन कन्या उच्च विद्यालय, बंगलौर की छात्रा हैं। उन्होंने भरतनाट्यम की शिक्षा अपनी माँ, मोहिनीआट्टम की प्रवीण कलाकार श्रीदेवी उन्नी एवं भरतनाट्टयम के सिद्धहस्त कलाकार अदियार के० लक्ष्मणन से प्राप्त की। वे मलयालम और तेलुगु फिल्मों में अभिनय कर रही हैं।

MONISHA is only sixteen years old and is a student of Bishop Cotton Girls' High School, Bangalore. She learnt Bharatanatyam from her mother, Sreedevi Unni, a proficient Mohiniattam artiste and Adyar K. Lakshmanan, the renowned maestro in Bharatanatyam. She has been acting in Malayalam and Telegu films.

सर्वोत्तम सह-अभिनेता पुरस्कार

सुरेश ओबराय

सह-अभिनेता **सुरेश ओबराय** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम सह-अभिनेता पुरस्कार **सुरेश ओबराय** को हिन्दी फिल्म **मिर्च मसाला** में एक ऐसे जटिल सामन्तवादी चरित्र में जान फूंकने के लिए दिया गया है जो नियति को अपने बस में करने का असफल प्रयास करता है।

award for the best supporting actor:

SURESH UBEROI

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Supporting Actor SURESH UBEROI

citation:

The Award for the Best Supporting Actor of 1986 is given to SURESH UBEROI for his performance in the Hindi film MIRCH MASALA for breathing life into a complex feudal character, who tries to control a destiny beyond his reach.

सुरेश ओबराय ने 1974 से 1976 तक भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान में अभिनय का प्रशिक्षण लिया। इसके लिए उन्हें आन्ध्र प्रदेश सरकार की छात्रवृत्ति मिली थी। उन्होंने **एक बार फिर, लावारिस,** तथा **श्रृद्धांजलि** आदि कई हिन्दी फिल्मों में काम किया है।

SURESH UBEROI studied acting at FTII, Pune, between 1974 and 1976, on a scholarship from the Andhra Pradesh Government. He has acted in Hindi films like EK BAR PHIR, LAVARIS, and SHRADHANJALI.

सर्वोत्तम सह-अभिनेत्री पुरस्कार

मंजुला कुआनार

सह-अभिनेत्री **मंजुला कुआनार** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम सह-अभिनेत्री पुरस्कार **मंजुला कुआनार** को उड़िया फिल्म **भंग सिलता** में एक शोषित और अनपढ़ स्त्री के चरित्र को यथार्थ ढंग से प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है जो शिकार किए गए पशु की तरह जीती है और अंततः अपनी नियति को स्वीकार कर लेती है।

award for the best supporting actress:

MANJULA KUANAR

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Supporting Actress MANJULA KUANAR

Citation:

The Award for the Best Supporting Actress of 1986 is given to MANJULA KUANAR for a startlingly realistic portrayal of an exploited, illiterate woman who lives like a hunted animal, trapped into accepting her ultimate fate, in the Oriya film BHANGA SILATA.

मंजुला कुआनार की आयु 28 वर्ष है। वह भुवनेश्वर में जनगणना निदेशालय में काम करती हैं। उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय से उड़िया साहित्य में एम०ए० किया है। वह रेडियो नाटकों में अभिनय करती रही हैं तथा पी०के० मोहन्ती के दूरदर्शन नाटक **पथकोइली** में उनकी प्रमुख भूमिका थी।

MANJULA KUANAR is twenty-eight years old and works in the Office of the Directorate of Census Operations, Bhubaneshwar. She is an M.A. in Oriya Literature from Utkal University. She has been acting in radio plays and had a major role in P.K. Mohanty's PATHKOILI made for TV.

सर्वोत्तम बाल कलाकार पुरस्कार

अनिकेत सेनगुप्ता

बाल कलाकार **अनिकेत सेनगुप्ता** को रजत कमल और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम बाल कलाकार पुरस्कार **अनिकेत सेनगुप्ता** को बंगला फिल्म **फेरा** में ऐसे लड़के का जीवन्त और भावपूर्ण अभिनय करने के लिए दिया गया है जो एक वृद्ध कलाकार के जीवन में नए विश्वास और अर्थ का संचार करता है।

award for the best child artiste:

ANIKET SENGUPTA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 5,000/- to the Child Artiste ANIKET SENGUPTA

citation:

The Award for the Best Child Artiste of 1986 is given to ANIKET SENGUPTA for his lively and poignant portrayal of a young boy who brings new faith and meaning to the life of an aged artiste, in the Bengali film PHERA.

दस वर्ष के **अनिकेत सेनगुप्ता** ने **फेरा** फिल्म में पहली बार अभिनय किया है। अनिकेत कलकत्ता के एक स्कूल में पढ़ता है और पुस्तकें पढ़ने, ड्रॉईंग, संगीत तथा खेल-कूद में उसकी रुचि है। घर में उसके माता, पिता तथा एक बड़ी बहन हैं।

For ten year old ANIKET SENGUPTA, PHERA has been the first film appearance. Aniket studies in La Martiniere School, Calcutta, and finds interest in reading, drawing, music and sports. The child's family consists of father, mother and an elder sister.

सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन पुरस्कार

दुर्गा मित्रा तथा ज्योति प्रसाद चटर्जी

ध्वनि आलेखक **दुर्गा मित्रा, ज्योति प्रसाद चटर्जी** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन पुरस्कार **दुर्गा मित्रा** तथा **ज्योति प्रसाद चटर्जी** को बंगला फिल्म **पथ भोला** में ध्वनि के संवेदनपूर्ण प्रयोग से फिल्म को नया आयाम प्रदान करने के लिये दिया गया है।

award for the best audiography:

DURGA MITRA and JYOTI PROSAD CHATTERJEE

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Audiographer DURGA MITRA and JYOTI PROSAD CHATTERJEE

citation:

The Award for the Best Audiography of 1986 is given to DURGA MITRA and JYOTI PROSAD CHATTERJEE for their work in the Bengali film PATH BHOLA for adding a new dimension to the film by a sensitive employment of sound.

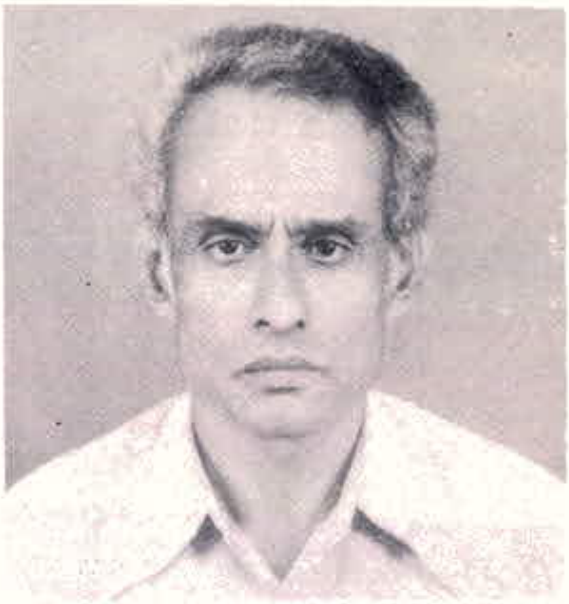

दुर्गा मित्रा 1943 से कलकत्ता के विभिन्न स्टूडियों में ध्वनि आलेखक के रूप में काम कर रहे हैं। सत्यजीत राय की फिल्म **अभिज्ञान** के निर्माता दुर्गा मित्रा ही थे।

DURGA MITRA has been a sound recordist with different studios in Tollygunje, Calcutta since 1943. He has been the producer of Satyajit Ray's ABHIJAN.

ज्योति प्रसाद चटर्जी ने 1957 में सहायक धवनि आलेखक के रूप में फिल्म क्षेत्र में प्रवेश किया। 1982 से वे राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, कलकत्ता के 16 मि०मि० फिल्म सेंटर में मुख्य ध्वनि आलेखक के रूप में कार्य कर रहे हैं। वे सत्यजीत रे, मृणाल सेन और ऋत्विक घटक जैसे सुविख्यात निर्देशकों के साथ कार्य कर चुके हैं।

JYOTI PROSAD CHATTERJEE joined the film industry in 1957 as an assistant recordist. Since 1982 he has been working as the Chief Sound Recordist of the NFDC 16 mm Film Centre in Calcutta. He has worked with some of the most eminent directors such as Satyajit Ray, Mrinal Sen and Ritwik Ghatak.

सर्वोत्तम संपादन पुरस्कार

संजीव शाह

संपादक **संजीव शाह** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम संपादन पुरस्कार **संजीव शाह** को हिन्दी फ़िल्म **मिर्च मसाला** में सहजप्रवाह लाने में उनकी पूर्ण सफलता के लिये दिया गया है।

award for the best editing

SANJIV SHAH

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the editor SANJIV SHAH

citation:

The Award for the Best Editing of 1986 is given to SANJIV SHAH for his perfection in creating a smooth flow in the Hindi film MIRCH MASALA.

संजीव शाह ने भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से फिल्म संपादन का डिप्लोमा प्राप्त किया है। उन्होंने डिप्लोमा वृत्तचित्र **मैन वर्सिस मैन** का संपादन किया। कलकता के रिक्शाचालकों पर बनाई गई इस फिल्म को 1983 में टोरन्टो तथा ओबेरहौसेन फिल्म समारोहों में सर्वोत्तम लघु चित्र के पुरस्कार मिले। संजीव शाह ने दंगों, शहरी आवास तथा पटरियों पर रहने वाले लोगों के बारे में कुछ वृत्तचित्रों का संपादन किया है।

SANJIV SHAH is a recipient of a diploma in film editing from FTII," Pune. He edited a diploma documentary MAN VERSUS MAN, on rickshaw pullers of Calcutta, which won the Best Short Film awards at Toronto and Oberhausen in 1983. He has edited certain documentaries on riots, urban housing, and pavement dwellers.

सर्वोत्तम कला निर्देशन पुरस्कार

पी० कृष्णमूर्ति

कला निर्देशक **पी० कृष्णमूर्ति** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम कला निर्देशन पुरस्कार **पी० कृष्णमूर्ति** को कन्नड़ फिल्म **माधवाचार्य** में माधवाचार्य के युग को प्रभावकारी ढंग से पुनर्जीवित करने के लिये दिया गया है।

award for the best art direction:

P. KRISHNAMURTHY

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the Art Director P. KRISHNAMURTHY

citation:

The Award for the Best Art Direction of 1986 is given to P. KRISHNAMURTHY for effectively recreating the era of Madhvacharya in the Kannada film MADHVACHARYA.

पी० कृष्णमूर्ति ने मद्रास स्कूल ऑफ आर्ट से कला की शिक्षा प्राप्त की। वे जाने-माने चित्रकार हैं। उन्होंने जी०वी० अय्यर और गिरीश कर्नाड के साथ कला-निर्देशक तथा वेश-भूषाकार के रूप में काम किया है।

P. KRISHNAMURTHY, a product of the Madras School of Arts, is a reputed painter. He has collaborated with G.V. Iyer and Girish Karnad as an art director and costume designer.

सर्वोत्तम संगीत निर्देशन पुरस्कार

एम० बालमुरली कृष्ण

संगीत निर्देशक **एम० बालमुरली कृष्ण** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम संगीत निर्देशन का पुरस्कार **एम० बालमुरली कृष्ण** को कन्नड़ फिल्म **माधवाचार्य** में शास्त्रीय संगीत और लोकसंगीत को प्रभावकारी ढंग से मिश्रित करने के लिए दिया गया है।

award for the best music direction:

M. BALAMURALI KRISHNA

Rajat Kamal and cash prize of Rs 10,000/- to the Music Director M. BALAMURALI KRISHNA

citation:

The Award for the Best Music Direction of 1986 is given to M. BALAMURALI KRISHNA for the effective use of classical music blended with folk music in the Kannada film MADHVACHARYA.

एम० बालमुरली कृष्ण को दक्षिण भारतीय शास्त्रीय संगीत में विशेष निपुणता प्राप्त है। जी०वी० अय्यर की फिल्म **संध्याराग** और उसके बाद की उनकी सभी फिल्मों में संगीत इन्होंने ही दिया है। उन्हें **हंसगीते** फिल्म के लिए सर्वोत्तम पार्श्वगायक का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

M. BALAMURLI KRISHNA is a great exponent of south Indian classical music. He has given the music for all of G.V. Iyer's films, since SANDHYA RAAGA. He won the National Award for Best Playback Singer for HAMSA GEETHE.

सर्वोत्तम पार्श्व गायक पुरस्कार

हेमन्त मुखर्जी

पार्श्व गायक **हेमन्त मुखर्जी** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम पार्श्व गायक का पुरस्कार **हेमन्त मुखर्जी** को बंगला फिल्म **लालन फकीर** में परम्परागत गीतों को अपनी गहरी और ओजपूर्ण आवाज़ में सुन्दर ढंग से प्रस्तुत करने के लिये दिया गया है।

award for the best male playback singer:

HEMANTA MUKHERJEE

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Male Playback Singer HEMANTA MUKHERJEE

citation:

The Award for the Best Male Playback Singer of 1986 is given to HEMANTA MUKHERJEE for his superb rendering of the traditional songs in the Bengali film LALAN FAKIR in his deep and vibrant voice

हेमन्त मुखर्जी के बंगला गीतों का पहला रिकॉर्ड 1937 में निकला। उस समय ये कलकत्ता में जादवपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। गायक के रूप में लगभग पचास वर्ष के अपने जीवन में हेमन्त मुखर्जी ने लगभग पांच हजार गाने बंगला में और करीब एक हजार गाने हिन्दी तथा दूसरी भाषाओं में गाए हैं। उन्होंने कई बंगला और हिन्दी फिल्मों में संगीत भी दिया है। वे मंच पर भी गीतों के कार्यक्रम प्रस्तुत करते रहे हैं। उन्होंने मृणाल सेन की **नील आकाशेर नीचे** सहित कई फिल्मों का निर्माण भी किया है। कॉनरैड रुक्स की अंग्रेजी फिल्म **सिद्धार्थ** का संगीत निर्देशन भी हेमन्त मुखर्जी ने किया है।

HEMANTA MUKHERJEE cut his first Bengali record in 1937, while a student of Jadavpur Engineering College, Calcutta. Over a span of fifty years of singing life, he has recorded approximately five thousand songs in Bengali, and one thousand songs in Hindi and other languages. He has been a music director in innumerable Bengali and Hindi films, besides rendering playback assignments and stage programmes. He has produced several films, including Mrinal Sen's NEEL AKASHER NEECHEY. He has composed the musical score for Conrad Rooks' SIDDHARTA.

सर्वोत्तम पार्श्व गायिका पुरस्कार

चित्रा

पार्श्व गायिका **चित्रा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम पार्श्व गायिका का पुरस्कार **चित्रा** को मलयालम फिल्म **नखक्षतंगल** में अति मधुर स्वर में गीत गाने के लिये दिया गया है।

award for the best female playback singer:

CHITHRA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Female Playback Singer CHITHRA

citation:

The Award for the Best Female Playback Singer of 1986 is given to CHITHRA for her melodious rendering of the songs in the Malayalam film NAKHAKSHATHANGAL.

पार्श्व गायिका **चित्रा** त्रिवेन्द्रम से हैं। वे आजकल के० जे० येसुदास के साथ मंच पर गायन कर रही हैं। इसके अतिरिक्त वे मलयालम एवं तमिल फिल्मों में पार्श्वगायन भी करती हैं। वे गतवर्ष भी सर्वोत्तम पार्श्वगायिका पुरस्कार से सम्मानित की जा चुकी हैं।

CHITHRA is from Trivandrum. She has been singing on the stage with K.J. Yesudas. She does playback singing in Malayalam films and Tamil films. She won the Award for the Best Female Playback Singer for 1985 also.

सर्वोत्तम वेशभूषाकार पुरस्कार

प्रभात झा

वेशभूषाकार **प्रभात झा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम वेशभूषाकार पुरस्कार **प्रभात झा** को हिन्दी फिल्म **परिणति** में वेशभूषा के इस्तेमाल में प्रामाणिकता के लिए दिया गया है।

award for the best costume designing:

PRABHAT JHA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Costume Designer PRABHAT JHA

citation:

The Award for the Best Costume Designing of 1986 is given to PRABHAT JHA for the authenticity in the use of costumes in the Hindi feature film PARINATI.

चौंतीस वर्षीय **प्रभात झा** गोविन्द निहलानी की **अर्द्धसत्य** और प्रकाश झा की **हिप हिप हुर्रे** तथा **दामुल** फिल्मों के सहायक निर्देशक रहे हैं। वे **दामुल** तथा **परिणति** के कला निर्देशक और वेशभूषाकार रहे हैं।

Thirty-four year old PRABHAT JHA, has been assistant director in Govind Nihalani's ARDHSATYA and Prakash Jha's HIP, HIP HURRAY, and DAMUL. He has been art director and costume designer for DAMUL and PARINATI.

विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार

जॉन एब्रहैम

जॉन एब्रहैम को रजत कमल और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार **जॉन एब्रहैम** को मलयालम फिल्म **अम्मा अरियन** के कुशल निर्देशन और फिल्म निर्माण में मौलिकता के लिए दिया गया है।

special jury award:

JOHN ABRAHAM

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 5,000/- to JOHN ABRAHAM

citation:

The Special Jury Award of 1986 is given to JOHN ABRAHAM for his directorial excellence and originality in the treatment of the Malayalam film AMMA ARIYAN.

जानॅ एब्रहैम ने 1969 में भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त किया। मणि कौल की फिल्म **उसकी रोटी** में उन्होंने सहायक के रूप में काम किया। उनकी फिल्म **विद्यार्थीगले इतिले इतिले, अग्रहरथिल कऱुथई, चेरियन** तथा **अम्मा अरियन** ब्लैक एंड व्हाइट हैं। वे अपनी फिल्मों के माध्यम से सामाजिक चेतना जगाने की चेष्टा करते रहे थे। दुर्भाग्यवश हाल ही में उनकी मृत्यु हो गयी।

JOHN ABRAHAM graduated from the FTII, Pune in 1969. He was an assistant in Mani Kaul's USKI ROTI. His films – VIDYARTHIGALE ITHILE ITHILE, AGRAHARATHIL KAZHUTHAI, CHERIYAN and AMMA ARIYAN – are in black and white. He has always attempted to raise the social consciousness of the audience. Tragically, he died recently in middle age.

सर्वोत्तम असमिया फिल्म पुरस्कार

बान

निर्माता **डो-रे-मी फिल्मस** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **चारू कमल हज़ारिका** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम असमिया फिल्म पुरस्कार **बान** को बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्र में आज़ादी के बाद के प्रशासन तंत्र पर गहरी टिप्पणी के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in assamese:

BAAN

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer DO-RE-ME FILMS

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director CHARU KAMAL HAZARIKA

citation:

The Award ior the Best Assamese film of 1986 is given to BAAN for its incisive comment on the post-independence establishment in a flood-prone region.

चारू कमल हज़ारिका के पहले असमिया कथाचित्र **अलोकर आह्बान** को 1983 का सर्वोत्तम असमिया कथाचित्र का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। **बान** उनकी दूसरी फिल्म है।

CHARU KAMAL HAZARIKA'S first Assamese feature film, ALOKAR AHBAN won a national award as best Assamese feature film of 1983. BAAN is his second film.

सर्वोत्तम बंगला फिल्म पुरस्कार

फेरा

निर्माता **बुद्धदेब दासगुप्ता** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **बुद्धदेब दासगुप्ता** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम बंगला फिल्म का पुरस्कार **फेरा** फिल्म को बदलते हुए मूल्यों के इस युग में एक सृजनशील कलाकार के द्वन्द्व को चित्रित करने के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in bengali:

PHERA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer BUDDHADEB DASGUPTA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director BUDDHADEB DASGUPTA

citation:

The Award for the Best Bengali Film of 1986 is given to PHERA for its depiction of the dilemma of a creative artiste in a world of changing values.

बुद्धदेब दासगुप्ता का जन्म 1944 में हुआ। 1968 से 1976 तक वे कलकत्ता के एक कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक रहे। उनकी फिल्मों **दूरत्व** (1978), **नीम अन्नपूर्णा** (1979), **गृहयुद्ध** (1981), **शीत ग्रीष्मेर स्मृति** (1982), **अन्धी गली** (1984) और **फेरा** (1986) की काफी सराहना हुई है। उनकी सभी फिल्में यूरोप के प्रमुख फिल्म समारोहों में दिखाई गई हैं। वे बंगला के जाने-माने कवि भी हैं और उनकी पांच काव्य पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

BUDDHADEB DASGUPTA was born in Bengal in 1944. He taught Economics at a Calcutta college from 1968 to 1976. His films — DOORATWA (1978), NEEM ANNAPURNA (1979), GRIHAJUDDHA (1981), SHEET GRISHMER SMRITI (1982), ANDHI GALI (1984) and PHERA (1986) — have received critical attention. All his films have been screened at major European festivals. He is also an eminent Bengali poet and has published five books of verse.

सर्वोत्तम हिन्दी फिल्म पुरस्कार

मिर्च मसाला

निर्माता **राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि०** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **केतन मेहता** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम हिन्दी फिल्म पुरस्कार **मिर्च मसाला** को स्वतंत्रतापूर्व युग में दमनकारी सामाजिक परिस्थितियों के विरुद्ध एक ग्रामीण महिला के संघर्ष के मार्मिक चित्रण के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in hindi:

MIRCH MASALA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer NATIONAL FILM DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director KETAN MEHTA

citation:

The Award for the Best Hindi Film of 1986 is given to MIRCH MASALA for its moving depiction of a rural woman's struggle against oppressive social conditions in the pre-Independence era.

केतन मेहता सेंट स्टीफन्स कॉलेज दिल्ली से अर्थशास्त्र के स्नातक हैं तथा भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से निर्देशन में डिप्लोमा प्राप्त हैं। ब्रेख्टियन सिद्धान्त के पूर्ण परिचय की झलक उनके दिल्ली एवं अहमदाबाद में नाट्यमंच निर्देशन तथा उनके निर्देशन में बनी फिल्मों **भवनी भवाई, होली** एवं **मिर्च मसाला** में स्पष्ट दिखाई देती है।

KETAN MEHTA is an economics graduate from St. Stephen's College, Delhi and holder of a diploma in film direction from FTII, Pune. He has directed theatre in Delhi and Ahmedabad, and his familiarity with Brechtian theory forms an essential backdrop in the large cast ensembles of films like BHAVNI BHAVAI, HOLI and MIRCH MASALA.

सर्वोत्तम कन्नड़ फिल्म पुरस्कार

शंखनाद

निर्माता **उमेश कुलकर्णी** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **उमेश कुलकर्णी** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम कन्नड़ फिल्म पुरस्कार **शंखनाद** को गुटबंदी के शिकार एक गाँव में पंचायत प्रणाली के तथ्यों को व्यंग्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in kannada:

SHANKHA NADA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer UMESH KULKARNI

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director UMESH KULKARNI

citation:

The Award for the Best Kannada film of 1986 is given to SHANKHA NADA for its satirical presentation of the facts of the panchayat system in a faction-ridden village.

उमेश कुलकर्णी 1973 से कन्नड़ में वृत्तचित्रों और कथाचित्रों का संपादन कर रहे हैं। गिरीश कासरवल्ली की फिल्म **घटश्राद्ध** के वे मुख्य संपादक थे। उन्होंने अपने निर्देशन में बनी पहली फिल्म **शंखनाद** की पटकथा स्वयं लिखी है और संपादन भी किया है।

UMESH KULKARNI has been editing several documentaries and feature films in Kannada, since 1973. He was the chief editor for Girish Kasaravalli's GHATASHRADDHA. He has scripted and edited SHANKHA NADA, the first feature film he has directed

सर्वोत्तम मलयालम फिल्म पुरस्कार

उप्पू

निर्माता **के०एम०ए० रहीम** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **वी०के० पवित्रन्** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम मलयालम फिल्म पुरस्कार **उप्पू** को धार्मिक रूढ़ियों से ग्रस्त लोगों के मार्मिक चित्रण के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in malayalam:

UPPU

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer K.M.A. RAHIM

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director V.K. PAVITHRAN

citation:

The Award for the Best Malayalam film of 1986 is given to UPPU for its moving depiction of people caught in the midst of religious conservatism.

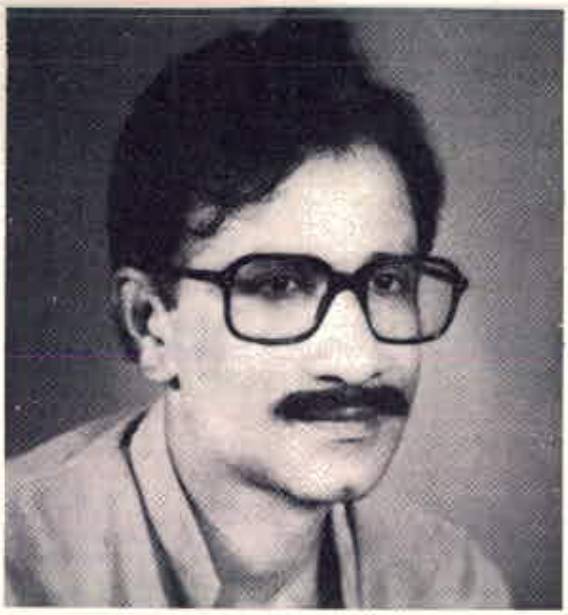

के०एम०ए० रहीम केरल में पिछले 20 वर्षों से वकालत कर रहे हैं। **उप्पू** फिल्म के निर्माण के साथ-साथ उन्होंने इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है।

K.M.A. RAHIM has been a practising lawyer in Kerala for the last two decades. Besides producing UPPU, he has also written the story and the screenplay for the film.

पवित्रन् ने 1978 में मलयालम फिल्म **यारो ओरल** से फिल्म निर्देशन आरंभ किया। लम्बे अंतराल के बाद **उप्पू** के साथ वे पुनः फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में लौट आये।

PAVITHRAN made his directorial debut in 1978 with the Malayalam film YARO ORAL. After a long interval, Pavithran has returned to film direction in UPPU.

सर्वोत्तम उड़िया फिल्म पुरस्कार

माझी पाहचा

निर्माता **दीप्ति मोहन्ती** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **मनमोहन महापात्रा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम उड़िया फिल्म पुरस्कार **माझी पाहचा** को आज के शहरी माहौल में भिन्न-भिन्न व्यक्तियों के चरित्र को ईमानदारी से चित्रित करने के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in oriya:

MAJHI PAHACHA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer DIPTI MOHANTY

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director MANMOHAN MAHAPATRA

citation:

The Award for the Best Oriya film of 1986 is given to MAJHI PAHACHA for a faithful portrayal of a range of individuals in today's urban milieu.

दीप्ति मोहन्ती नृत्य, संगीत और नाटक में निपुण हैं। **माझी पाहचा** इनकें द्वारा निर्मित पहली फिल्म है।

DIPTI MOHANTY is a keen student of dance, music and drama. MAJHI PAHACHA is the first film produced by her.

मनमोहन महापात्रा ने उड़ीसा से उत्कल विश्वविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त की। 1975 में उन्होंने भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान में अपना प्रशिक्षण पूरा किया। उनकी पहली तीन फिल्मों **सीता राति** (1976), **नीरबा झाड़ा** (1984) और **क्लान्ता अपरान्हा** (1985) को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। 1986 में उन्होंने तीन फिल्मों **कुहुडी, त्रिसंध्या** और **माझी पाहचा** का निर्देशन किया। इन दिनों वे राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की वित्तीय सहायता से बन रही फिल्म **अन्धा दिगन्ता** का निर्देशन कर रहे हैं।

MANMOHAN MAHAPATRA, a graduate from Utkal University in Orissa, completed his film studies at FTII, Pune in 1975. His first three films – SEETA RAATI (1976), NEERABA JHADA (1984) and KLANTA APARANHA (1985) – won national awards. In 1986 he completed three films; KUHUDI, TRISANDHYA and MAJHI PAHACHA. Presently, he is working on ANDHA DIGANTA, a film financed by NFDC.

सर्वोत्तम तमिल फिल्म पुरस्कार

मौन रागम्

निर्माता **जी० वेंकटेश्वरन्** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **मणि रत्नम्** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम तमिल फिल्म पुरस्कार **मौन रागम्** को एक शहरी युवती की अपने को पहचानने की यात्रा को संवेदनपूर्ण ढंग से चित्रित करने के लिए दिया गया है।

award for the best feature film in tamil:

MOUNA RAGAM

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer G. VENKATESWARAN

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director MANI RATHNAM

citation:

The Award for the Best Tamil film of 1986 is given to MOUNA RANGAM for its sensitive portrayal of an urban young woman's voyage to self-discovery.

जी० वेंकटेश्वरन अनुभवी फिल्म वितरक हैं। **मौन रागम्** उनके द्वारा निर्मित पहली फिल्म है। उनकी अगली फिल्म **अग्नि नक्षत्रम** का निर्देशन भी मणि रत्नम् कर रहे हैं।

G. VENKATESWARAN is an experienced film distributor. However, MOUNA RAGAM is his first film as producer. His forthcoming production, AGNI NATCHATRAM is also being directed by Mani Rathnam.

मौन रागम् मणि रत्नम् के निर्देशन में बनी तीसरी फिल्म है। मणि रत्नम् के परिवार के अन्य कई सदस्य भी फिल्मों से संबद्ध हैं।

MOUNA RAGAM is the third film directed by MANI RATHNAM. He hails from a family of film personalities.

सर्वोत्तम तेलुगु फिल्म पुरस्कार

स्वाति मुथ्यम्

निर्माता **एडिडा नागेश्वर राव** को रजत कमल और 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **के० विश्वनाथ** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम तेलुगु फिल्म का पुरस्कार **स्वाति मुथ्यम्** को एक ऐसे व्यक्ति की नाटकीय कहानी को प्रभावकारी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है, जो इतना भोला-भाला और बच्चों जैसा अबोध है कि चालाकियों से भरे इस कठोर संसार में उसके लिए रह पाना मुश्किल है।

award for the best feature film in telugu:

SWATHI MUTHYAM

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer EDIDA NAGESWARA RAO

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director K. VISWANATH

citation:

The Award for the Best Telugu Film of 1986 is given to SWATHI MUTHYAM for an effective rendering of a dramatic story about a man too innocent and child-like to fit into the scheme of the hard, calculating world.

एडिडा नागेश्वर राव ने अपना फिल्मी जीवन अभिनेता के रूप में आरंभ किया और बाद में वे निर्माता बन गए। उनकी **शंकराभरणम्** और **सागर संगमम्** फिल्में व्यावसायिक रूप से भी बहुत सफल रहीं।

EDIDA NAGESWARA RAO started his career as an actor, and subsequently became a film producer. His SANKARABHARANAM and SAAGARA SANGAMAM received wide commercial popularity.

के० विश्वनाथ 1965 से फिल्में बना रहे हैं। उनकी हाल की फिल्मों **शंकराभरणम** तथा **सप्तपदी** को राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

K. VISWANATH has been making films since 1965. His recent films, SANKARABHARANAM and SAPTAPADI have won national awards.

संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं से इतर भाषा में सर्वोत्तम कथाचित्र पुरस्कार

वाचमैन (अंग्रेजी)

निर्माता **टी०एस० नरसिम्हन्** को रजत कमल और 20,000/रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **शंकर नाग** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं से इतर भाषा में सर्वोत्तम फिल्म का पुरस्कार अंग्रेजी फिल्म **वाचमैन** को एक बूढ़े चौकीदार की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है जो अपने सभी सगे संबन्धियों को खोकर भी एक लड़की को आत्महत्या करने से रोककर उसकी जान बचा लेता है।

award for the best feature film in a language other than those specified in the VIII schedule to the constitution:

WATCHMAN (English)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 20,000/- to the Producer T.S. NARASIMHAN

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director SHANKAR NAG

citation:

The Award for the Best Feature Film of 1986 in a language other than these specified in the VIII Schedule to the Constitution is given to the English Film WATCHMAN for the charming rendering of the story an old watchman saving a young girl from suicide, himself having lost all his near and dear ones.

टी०एस० नरसिम्हन् चार कथाचित्रों का निर्माण तथा सात लघु चित्रों का निर्देशन कर चुके हैं, जिन्हें विभिन्न फिल्म समारोहों में सराहा गया है। उनकी लघु फिल्म **पप्पेटरी ऑफ कर्नाटक** तथा **दी सागा ऑफ दी इन्डियन इमिग्रन्ट्स टू मॉरीशस** को मॉरीशस सरकार द्वारा विशेष निर्णायक मण्डल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वे आर०के० नारायण की लघु कहानियों पर आधारित **मालगुडी डेज़** नामक दूरदर्शन धारावाहिक के निर्माता हैं।

T.S. NARASIMHAN has produced four feature films and directed seven documentaries, which have been acclaimed at different festivals. His documentaries, PUPPETRY OF KARNATAKA and THE SAGA OF THE INDIAN IMMIGRANTS TO MAURITIUS received a Special Jury Award from the Government of Mauritius. He has produced the TV serial titled MALGUDI DAYS based on RK. Narayan's short stories.

शंकर नाग अभिनेता अनन्त नाग के भाई हैं। शंकर ने चालीस से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें गिरीश कर्नाड की **ओंडानोंडू कल्लाडल्ली** और **उत्सव** शामिल हैं। शंकर के निर्देशन में बनी फिल्म **एक्सीडेंट** को मद्यनिषेध पर सर्वोत्तम फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

SHANKAR NAG is the brother of actor Anant Nag. Shankar has acted in more than forty films, including Girish Karnad's ONDANONDU KALADALLI which won him laurals. and UTSAV. ACCIDENT, directed by Shankar, received a national award for the best film on prohibition.

गैर-कथाचित्र पुरस्कार AWARDS FOR NON-FEATURE FILMS

सर्वोत्तम गैर कथाचित्र पुरस्कार

दि लैण्ड ऑफ सैण्ड ड्यून्स

निर्माता **मैसर्स ऑर्किड फिल्म्स प्रा० लि०** को स्वर्ण कमल और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **गौतम घोष** को स्वर्ण कमल और 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम गैर कथाचित्र का पुरस्कार **दि लैण्ड ऑफ सैण्ड ड्यून्स** को प्रभावकारी शैली में व्यक्त किए गए विषय में संवेदना और अनुभूति का संचार करने के लिए दिया गया है।

award for the best non-feature film

THE LAND OF SAND DUNES

Swarna Kamal and a cash prize of Rs 15,000/- to the Producer ORCHID FILMS PRIVATE LIMITED.

Swarna Kamal and a cash prize of Rs 15,000/- to the Director GAUTAM GHOSE.

citation:

The Award for the Best Non-Feature Film of 1986 is given to THE LAND OF SAND DUNES for the sensitivity and feel for the subject expressed in its effective cinematic style.

कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक की शिक्षा पूरी करने के बाद **गौतम घोष** नाटकों में काम करने लगे और उन्होंने पत्र-पत्रिकाओं के लिए फोटोग्राफी भी की। 1972 तक वे वृत्तचित्र और लघु विज्ञापन फिल्में तैयार करने लगे थे। उनके वृत्तचित्र **हंगरी ऑटम** (1974) को ओबेरहौसन तथा लाईपज़िग फिल्म समारोहों में पुरस्कार मिले। उनके कथाचित्रों **मा भूमि** (1979) **दखल** (1982) और **पार** (1984) को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

After graduating from Calcutta University, GAUTAM GHOSE worked actively in theatre and took up photo journalism. By 1972 he was making documentaries and short advertise-ment films. HUNGRY AUTUMN (1974), a documentory, won awards at Oberhausen and Leipzig. His feature films, MA BHOOMI (1979), DAKHAL (1982) and PAAR (1984) have won awards in India and abroad.

सर्वोत्तम मानवशास्त्रीय/मानवजातीय फिल्म पुरस्कार

दि लैण्ड वेर दि विन्ड ब्लोज़ फ्री

निर्माता **असम के सांस्कृतिक मामलों के निदेशक** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **चन्द्र नारायण बरुआ** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम मानवशास्त्रीय/मानवजातीय फिल्म का पुरस्कार **दि लैण्ड वेर दि विन्ड ब्लोज़ फ्री** को पूर्वोत्तर भारत में जनजातियों के जीवन का सच्चा और प्रामाणिक चित्रण करने के लिए दिया गया है।

award for the best anthropological/ethnographic film

THE LAND WHERE THE WIND BLOWS FREE

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producer DIRECTOR OF CULTURAL AFFAIRS, ASSAM.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director CHANDRA NARAYAN BARUA.

citation:

The Award for the Best Athropological/ Ethnographic film of 1986 is given to THE LAND WHERE THE WIND BLOWS FREE for its faithful and authentic portrayal of the tribal communities of North-East India.

चन्द्र नारायण बरुआ विद्यार्थी जीवन से ही मंच से जुड़े हुए हैं। वे दो सफल असमिया कथाचित्र **होनोरिया फूल** तथा **कल्लोल** का निर्माण कर चुके हैं। उनकी प्रथम लघु फिल्म **तोरे मोरे अलोकर जात्रा** (1980) को विशेष रूप से सराहा गया है।

CHANDRA NARAYAN BARUA has been associated with the stage since his college days. He has produced two successful Assamese films, HONORIA PHOOL and KALLOL. His first documentary TORE MORE ALOKAR JATRA (1980) received critical acclaim.

सर्वोत्तम जीवनी संबंधी फिल्म पुरस्कार

(1) सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानननगानम और (2) कमला नेहरू

निर्माता **डेजो काप्पन** और **जॉर्ज सेबेस्तियन** (सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानननगानम) तथा **उमाशंकर** (कमला नेहरू) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **राजीव विजय राघवन** (सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानननगानम) और **आशीष मुखर्जी** (कमला नेहरू) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम जीवनी संबंधी फिल्म का पुरस्कार **सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानननगानम** को सिस्टर अलफोन्सा के जीवन को गहरी सहानुभूति तथा सूझ-बूझ के साथ चित्रित करने में फिल्म कला का सृजनात्मक ढंग से उपयोग करने के लिए दिया गया है।

1986 का सर्वोत्तम जीवनी संबंधी फिल्म का पुरस्कार **कमला नेहरू** फिल्म को भी विषय के प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण में रेखाचित्रों के कल्पनापूर्ण उपयोग के लिए दिया गया है।

award for the best biographical film

(i) SISTER ALPHONSA OF BHARANANGANAM and (ii) KAMALA NEHRU

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the the Producers DEJO KAPPEN and GEORGE SEBASTIAN (Sister Alphonsa of Bharananganam) and UMA SHANKAR (Kamala Nehru)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the the Directors RAJIV VIJAY RAGHAVAN (Sister Alphonsa of Bharananganam) and ASHISH MUKHERJEE (Kamala Nehru)

citation:

The Award for the Best Biographical Film of 1986 is given to SISTER ALPHONSA OF BHARANANGANAM for its creative use of cinematography in portraying with great sympathy and understanding the life of Sister Alphonsa.

The Award for the Best Biographical Film of 1986 is also given to KAMALA NEHRU for the innovative use of graphics in the effective depiction of the subject.

डेजो काप्पन केरल विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र के स्नातक हैं। विश्वविद्यालय की राजनीति में वे सक्रिय रहे हैं। निर्माता के रूप में "दिव्य चैतन्य" बैनर के अन्तर्गत निर्मित **सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भराननगानम** उनकी प्रथम फिल्म है।

DEJO KAPPEN is an economics graduate from Kerala University. He was an active participant in campus politics. SISTER ALPHONSA OF BHARANGANAM is the first film produced by him, under the banner of "Divya Chaithanya".

जॉर्ज सेबेस्टियन साहित्य से स्नातक हैं और आजकल कानून की पढ़ाई कर रहे हैं। वे केरल के जाने-माने छात्र नेता हैं और छात्र संघों के कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

GEORGE SEBASTIAN is a literature graduate and is now studying law. He is a prominent student leader in Kerala and has held several posts in student unions.

उमा शंकर पन्द्रह सामाजिक एवं ऐतिहासिक उपन्यास एवं पच्चीस लघु कथाएँ लिख चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके ऐतिहासिक उपन्यास **सूर्य रथ** को "प्रेमचन्द पुरस्कार" से सम्मानित किया है। इन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन पर आधारित **आन्दोलन** नामक रंगीन कथाचित्र एवं लखनऊ दूरदर्शन के लिए टेलीफिल्म **मृत्यु दण्ड** का निर्माण भी किया है।

UMA SHANKAR has written about 15 social and historical novels, and 25 short stories. His "Surya Rath", a historical novel, got the Prem Chand Award from the Uttar Pradesh Government. He has produced a colour feature film ANDOLAN based on the Quit India Movement, and MRITYU DAND, a tele-film for Lucknow Doordarshan Kendra.

राजीव विजय राघवन केरल विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक हैं। वे **पोक्कोवेईल, चिदम्बरम्** तथा **ओरीडथ** फिल्मों में जी० अरविन्दन के सहायक निर्देशक रहे हैं।

RAJIV VIJAY RAGHAVAN is a commerce graduate from Kerala University. He has been assistant director to G. Aravindan for POKKUVEYIL, CHIDAMBARAM and ORIDATH.

आशीष मुखर्जी ने 130 से अधिक वृत्तचित्र बनाए हैं। वे नाटकों में भी भाग लेते रहे हैं।

ASHISH MUKHERJEE has made more than 130 documentary films and has participated in plays by amateur theatre groups and cultural organizations.

सर्वोत्तम कला/सांस्कृतिक फिल्म पुरस्कार

(1) अवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2 और (2) क्लासिकल डांस फार्म्स ऑफ इंडिया – कूडिआट्टम

निर्माता **के०के० गर्ग, फिल्म प्रभाग** (अवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2) और **महानिदेशक, दूरदर्शन,** (क्लासिकल डांस फार्म्स ऑफ इंडिया – कूडिआट्टम) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **के०के० गर्ग** (अवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2) और **प्रकाश झा** (क्लासिकल डांस फार्म्स ऑफ इंडिया – कूडिआट्टम) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम कला/सांस्कृतिक फिल्म का पुरस्कार **अवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2** को हमारी महान विरासत के एक पहलू को प्रकाश में लाने में अनुसंधान के साथ-साथ कला तथा कल्पना के सुन्दर इस्तेमाल के लिए दिया गया है।

1986 का सर्वोत्तम कला/सांस्कृतिक फिल्म का पुरस्कार **क्लासिकल डांस फार्म्स ऑफ इंडिया – कूडिआट्टम** को भी दिया गया है जिसमें एक महान परम्परागत नाट्य शैली को बड़ी सुन्दरता से दृश्य रूप में प्रस्तुत किया गया है।

award for the best arts/ cultural film

(i) OUR ISLAMIC HERITAGE – PART II and (ii) CLASSICAL DANCE FORMS OF INDIA – KOODIATTAM

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producers K.K. GARG, FILMS DIVISION (Our Islamic Heritage – Part II) and DIRECTOR-GENERAL, DOORDARSHAN (Classical Dance Forms of India – Koodiattam)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Directors K.K. GARG (Our Islamic Heritage – Part II) and PRAKASH JHA (Classical Dance Forms of India – Koodiattam)

citation:

The Award for the Best Arts/Cultural Film of 1986 is given to OUR ISLAMIC HERITAGE – PART II for its well-researched treatment and the artistry and imagination employed in bringing an aspect of our great heritage into focus.

The Award for the Best Arts/Cultural Film of 1986 is also given to CLASSICAL DANCE FORMS OF INDIA – KOODIATTAM for its excellent visual treatment of a great traditional theatre form.

के०के० गर्ग फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में उप-मुख्य निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने अनेक लघु फिल्मों का निर्माण और निर्देशन किया है, जिन्हें काफी सराहा गया है।

K.K. GARG is the Deputy Chief Producer, Films Division, New Delhi. He has directed and produced numerous short films, which received critical acclaim.

प्रकाश झा ने 1976 में भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान में फिल्म संपादन का पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्होंने **फेसिस आफ्टर द स्टार्म** (1982) जैसे महत्वपूर्ण वृत्तचित्र बनाए हैं। प्रकाश झा ने **हिप हिप हुर्रे** (1983) **दामुल** (1983) और **परिणति** (1986) कथाचित्र बनाए हैं, जिन्हें विभिन्न पुरस्कार मिले हैं।

PRAKASH JHA completed his course in film editing at FTII, Pune in 1976. He has made notable documentaries like FACES AFTER THE STORM (1982) and award winning feature films like HIP HIP HURRAY (1984), DAMUL (1984), and PARINATI (1986).

पर्यावरण तथा परिस्थिति विज्ञान सहित सर्वोत्तम वैज्ञानिक फिल्म पुरस्कार

कामधेनु रिडीम्ड

निर्माता **राधा नारायणन्** और **मोहिउद्दीन मिर्जा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **मोहिउद्दीन मिर्जा** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का पर्यावरण तथा परिस्थिति विज्ञान सहित सर्वोत्तम वैज्ञानिक फिल्म का पुरस्कार **कामधेनु रिडीम्ड** को पशु प्रजनन के आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी देने के लिए फिल्म माध्यम का अति प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करने के लिए दिया गया है।

award for the best scientific film (including environment and ecology)

KAMDHENU REDEEMED

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producers RADHA NARAYANAN and MOHI-UD-DIN MIRZA.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director MOHI-UD-DIN MIRZA.

citation:

The Award for the Best Scientific (including Environment and Ecology) Film of 1986 is given to KAMDHENU REDEEMED for its very effective use of the cinematographic medium for conveying modern scientific methods of cattle breeding.

राधा नारायणन् दिल्ली विश्वविद्यालय की स्नातक हैं तथा भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से दूरदर्शन फिल्म निर्माण में डिप्लोमा प्राप्त हैं। उन्होंने ग्रामीण विकास तथा व्यापार/प्रबन्ध पर बहुत सी लघु फिल्मों का निर्माण किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने शिशु-जन्म, परिवार-कल्याण, नशाबन्दी तथा संगीत पर भी कुछ फिल्मों का निर्माण एवं निर्देशन किया है।

RADHA NARAYANAN is a graduate from Delhi University and holds a Diploma in Television Production from the Film and Television Institute of India, Pune. She has produced several films on agriculture and rural development and business management. She has directed and produced a few films on natal care, family welfare, drug abuse, and music.

मोहिउद्दीन मिर्जा ने 1975 में कश्मीर विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उसके बाद से ही वे संचार और शिक्षा संबंधी फिल्में बनाते रहे हैं।

MOHI-UD-DIN MIRZA graduated from Kashmir University in 1975. Since then, he has been engaged in the production of communication and educational films.

सर्वोत्तम औद्योगिक फिल्म पुरस्कार

दि स्टोरी ऑफ ग्लास

निर्माता **डा० एस० कुमार, निदेशक, सैन्ट्रल ग्लास एंड सेरेमिक रिसर्च इंस्टीच्यूट, कलकत्ता** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **बुद्धदेब दासगुप्ता** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम औद्योगिक फिल्म का पुरस्कार **दि स्टोरी ऑफ ग्लास** को हमारे देश में कांच उद्योग के विभिन्न पहलुओं का सुबोध और आकर्षक ढंग से चित्रण करने के लिए दिया गया है।

award for the best industrial film

THE STORY OF GLASS

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producer S. KUMAR, DIRECTOR, CENTRAL GLASS & CERAMIC RESEARCH INSTITUTE, CALCUTTA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director BUDDHADEB DASGUPTA.

citation:

The Award for the Best Industrial Film of 1986 is given to THE STORY OF GLASS for its comprehensive and engaging treatment of glass-making in our country.

सच्चिदानंद कुमार ने शेफील्ड विश्वविद्यालय से ग्लास तकनीकी में डाक्टर की उपाधि एवं तत्पश्चात् 'डाक्टर ऑफ साइंस' की उपाधि प्राप्त की। ग्लास तकनीकी के क्षेत्र में श्री कुमार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के जाने-माने वैज्ञानिक हैं।

SACHIDANANDA KUMAR did his doctorate in glass technology from Sheffield University. He is a widely travelled scientist and has to his credit about 61 research papers.

बुद्धदेब दासगुप्ता का जन्म 1944 में हुआ। 1968 से 1976 तक वे कलकत्ता के एक कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्राध्यापक रहे। उनकी फिल्मों **दूरत्व** (1978), **नीम अन्नपूर्णा** (1979), **गृहयुद्ध** (1981), **शीत ग्रीष्मेर स्मृति** (1982), **अन्धी गली** (1984) और **फेरा** (1986) की काफी सराहना हुई है। उनकी सभी फिल्में यूरोप के प्रमुख फिल्म समारोहों में दिखाई गई हैं। वे बंगला के जाने-माने कवि भी हैं और उनकी पांच काव्य पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।

BUDDHADEB DASGUPTA was born in Bengal in 1944. He taught Economics at a Calcutta college from 1968 to 1976. His films – DOORATWA (1978), NEEM ANNAPURA (1979), GRIHAJUDDHA (1981), SHEET, GRISHMER SMRITI (1982), ANDHI GALI (1984) and PHERA (1986) have received critical attention. All his films have been screened at major European festivals. He is also an eminent Bengali poet and has published five books of verse.

पशुपालन/डेयरी आदि सहित सर्वोत्तम कृषि फिल्म पुरस्कार

ट्री स्पाईसस – सिन्नमन भाग 1

निर्माता **डी० गौतमन, फिल्म प्रभाग** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

निर्देशक **डी० गौतमन** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का पशुपालन/डेयरी आदि सहित सर्वोत्तम कृषि फिल्म का पुरस्कार **ट्री स्पाईसस – सिन्नमन भाग 1** को उसके प्रेरक और शिक्षाप्रद स्वरूप के लिए दिया गया है।

award for the best agricultural film including animal husbandry/dairying etc.

TREE SPICES – CINNAMON PART I

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producer D. GAUTAMAN, FILMS DIVISION.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director D. GAUTAMAN.

citation:

The Award for the Best Agricultural Film including Animal Husbandry/Dairying etc. of 1986 is given TREE SPICES – CINNAMON PART I for its high motivational and educational value.

डी० गौतमन ने भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त किया है। निर्माता और निर्देशक के रूप में उन्होंने फिल्म प्रभाग के लिए 60 से अधिक वृत्तचित्र तैयार किए हैं।

D. GAUTAMAN is a diploma holder from FTII, Pune. As producer and director, he has made more than sixty documentaries for Films Division.

सर्वोत्तम ऐतिहासिक पुनर्निर्माण/ संकलन फिल्म पुरस्कार

वी दि पीपल ऑफ इन्डिया

निर्माता **एन०एस० थापा, फिल्म प्रभाग, बम्बई** को रजत कमल और 10,000/-रुपये का नकद पुरस्कार।
निर्देशक **भानुमूर्ति अलूर** को रजत कमल और 10,000/-रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम ऐतिहासिक पुनर्निर्माण/संकलन फिल्म का पुरस्कार **वी दि पीपल ऑफ इन्डिया** को ऐतिहासिक तथ्यों और सामग्री का सृजनात्मक संकलन करने के लिए दिया गया है।

award for the best historical reconstruction/compilation film

WE THE PEOPLE OF INDIA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/-to the Producer N.S. THAPA FILMS DIVISION, BOMBAY.
Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/-to the Director BHANUMURTHY ALUR.

citation:

The Award for the Best Historical Reconstruction/Compilation Film of 1986 is given to WE THE PEOPLE OF INDIA for the creative compilation of historical facts and materials.

एन०एस० थापा फिल्म प्रभाग के भूतपूर्व मुख्य निर्माता हैं। वे पिछले तीन दशकों से लघु फिल्मों के निर्देशन, छायांकन एवं निर्माण कार्य में संलग्न हैं। उनके द्वारा निर्मित फिल्मों को अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। एशियाई खेलों पर निर्मित उनकी फिल्म के लिए उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया है।

N.S. THAPA, the former Chief Producer of the Films Division, has worked as film director, photographer and producer of documentary films for over three decades. He has won several National and International awards. He was awarded the Padmashree for his work in his feature length documentary on the IX Asian Games.

भानुमूर्ति अलूर फिल्म प्रभाग, बम्बई में वृत्तचित्र निर्देशक के रूप में काम कर रहे हैं। 1977 से 1981 तक वे भारतीय फिल्म तथा टेलीविज़न संस्थान में लेक्चरर रहे।

BHANUMURTHY ALUR is a documentary director with Films Division, Bombay. Between 1977 and 1981, he was a lecturer in cinematography at FTII, Pune.

सामाजिक विषयों पर सर्वोत्तम फिल्म पुरस्कार

इन्नर इंस्टिंक्ट्स

निर्माता **कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **पी० विजय कुमार** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सामाजिक विषयों पर सर्वोत्तम फिल्म का पुरस्कार **इन्नर इंस्टिंक्ट्स** को एक महत्वपूर्ण सामाजिक समस्या को भावपूर्ण तथा अन्वेषक शैली में प्रस्तुत करने के लिए दिया गया है।

award for the best film on social issues

INNER INSTINCTS

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producer MINISTRY OF WELFARE, GOVT OF INDIA.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director P. VIJAY KUMAR.

citation:

The Award for the Best Film on Social Issues of 1986 is given to INNER INSTINCTS for its sensitive and probing treatment of a vital social issue.

पी० विजय कुमार ने भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान में फिल्म संपादन में विशेष योग्यता प्राप्त की। वे लघु फिल्मों का संपादन करते रहे हैं।

P. VIJAY KUMAR specialized in film editing at FTII, Pune. He has been editing short films.

सर्वोत्तम शैक्षणिक/अभिप्रेरक फिल्म पुरस्कार

(1) मित्रनिकेतन वैलानाड और
(2) फॉर ए बैटर लिविंग

निर्माता **सिनेमार्ट फाऊंडेशन** (मित्रनिकेतन वैलानाड) और **पद्मालया महापात्र** तथा **घनश्याम महापात्र** (फॉर ए बैटर लिविंग) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **जगन्नाथ गुहा** (मित्रनिकेतन वैलानाड) और **घनश्याम महापात्र** (फॉर ए बैटर लिविंग) को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम शैक्षणिक/अभिप्रेरक फिल्म का पुरस्कार **मित्रनिकेतन वैलानाड** को ग्रामीण समस्याओं को हल करने के लिए समर्पित एक संस्थान की सेवाओं को प्रभावकारी ढंग से प्रकाश में लाने के लिए दिया गया है।

1986 का सर्वोत्तम शैक्षणिक/अभिप्रेरक फिल्म का पुरस्कार **फॉर ए बैटर लिविंग** को भी दिया गया है जिसमें आदिवासियों के उत्थान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक प्रयास को बड़ी कुशलता के साथ चित्रित किया गया है।

award for the best educational/motivational film

(i) MITRANIKETAN VELLANAD and
(ii) FOR A BETTER LIVING

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producers CINEMART FOUNDATION (Mirtraniketan Vellanad) and PADMALAYA MOHAPATRA and GHANASHYAM MOHAPATRA (For a Better Living)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Directors JAGANNATH GUHA (Mitraniketan Vellanad) and GHANASHYAM MOHAPATRA (For a Better Living)

citation:

The Award for the Best Educational/ Motivational Film of 1986 is given to MITRANIKETAN VELLANAD for effectively bringing into focus the services of an institution engaged in tackling the rural problems at the grass roots level.

The Award for the Best Educational/ Motivational Film is also given to FOR A BETTER LIVING for the competence with which an important social endeavour like the upliftment of the Adivasis is depicted.

पद्मालय महापात्र कोणार्क फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड की प्रशासनिक निदेशक रह चुकी हैं। सामाजिक विषयों पर और अधिक फिल्म निर्माण की इनकी सशक्त योजना है।

PADMALAYA MOHAPATRA has been one of the Administrative Directors of Konark Films Pvt. Ltd. She has plans for more documentaries on social issues.

जगन्नाथ गुहा ने 1969 में जादवपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम०ए० किया। इसके बाद वे कलकत्ता के एक कॉलेज में लेक्चरर नियुक्त हुए। इस दौरान उन्होंने गौतम घोष, भूपेन हज़ारिका, चिदानन्द दासगुप्ता, हरिसाधन दासगुप्ता जैसे वृत्तचित्र निर्माताओं के साथ सहायक निर्देशक और पटकथाकार के रूप में काम किया। 1976 के बाद से वे निर्देशक हो गए और उन्होंने 20 से अधिक वृत्तचित्रों, लघु विज्ञापन फिल्मों तथा औद्योगिक फिल्मों का निर्देशन किया है।

JAGANNATH GUHA completed his M.A. in English literature from Jadavpur University in 1969. During his lecturership at a college in Calcutta, he worked as script writer and associate director with several documentary film makers like Gautam Ghose, Bhupen Hazarika, Chidananda Dasgupta and Harisadhan Dasgupta. As director from 1976 onwards, he has worked on over twenty documentaries, advertising shorts and industrial films.

घनश्याम महापात्र 25 वर्ष से अधिक समय से वृत्तचित्र बना रहे है उन्होंने **माँ ओ शिशु, राधू ओ श्याम, कृषि जन्त्रपति** और **ओडिसी डान्स** जैसे प्रसिद्ध वृत्तचित्र तैयार किए हैं। उनकी पहली फीचर फिल्म **कनकलता** को भी अपार प्रशंसा मिली।

GHANASHYAM MOHAPATRA has been making documentary films for over twenty-five years. His documentaries like MAA O SHISHU, RADHU O SHYAM, KRISHI JANTRAPATI and ODISSI DANCE, and his first feature KANAKLATA received critical acclaim.

सर्वोत्तम समाचार चित्र पुरस्कार

दि पोप मीट्स इन्डिया (न्यूज़ मैगज़ीन 70)

निर्माता **पी०बी० पेन्ढारकर** एवं **पी०एस० अर्शी, फिल्म प्रभाग, बम्बई** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

फिल्म्स प्रभाग के छायाकारों के दल को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम समाचार चित्र का पुरस्कार **दि पोप मीट्स इन्डिया (न्यूज़ मैगज़ीन 70)** को पोप की भारत यात्रा के फिल्मांकन में गहरे तालमेल का परिचय देने के लिए दिया गया है।

award for the best news film

THE POPE MEETS INDIA (NEWS MAGAZINE 70)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producers P.B. PENDHARKAR and P.S. ARSHI FILMS DIVISION, BOMBAY.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the CAMERA TEAM OF FILMS DIVISION, BOMBAY.

citation:

The Award for the Best News Film of 1986 is given to THE POPE MEETS INDIA (NEWS MAGAZINE 70) for the excellently coordinated team work in making the coverage of the Pope's visit to India more than mere news.

पी०बी० पेंढारकर ने 1952 से 1959 तक भालजी पेंढारकर और वी० शान्ताराम के सहायक के रूप में काम किया। उन्होंने मराठी फिल्म **भावताते देव** और बाल फिल्म **बाल शिवाजी** की कहानी लिखी तथा निर्देशन किया। **बाल शिवाजी** को 1981 में मद्रास में नवयुवा अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सर्वोत्तम कथाचित्र का द्वितीय पुरस्कार मिला। 1961 से वे फिल्म प्रभाग में काम कर रहे हैं। उन्हें सर्वोत्तम शिक्षाप्रद फिल्म, सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म और सर्वोत्तम समाचार चित्र के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

From 1952 to 1959, P.B. PENDHARKAR worked as assistant to Bhalji Pendharkar and V. Shantaram. He wrote and directed the Marathi film BHAV TATE DEV, and the children's film BAL SHIVAJI, which won the Second Best Feature Film award in the Neo-Youth International Film Festival held in Madras in 1981. He has been with Films Division since 1961. He has won national awards for the best educational film, the best promotional film and the best newsreel film.

52 वर्षीय **प्रीतम एस० अर्शी** पिछले दस वर्षों से फिल्म प्रभाग में समाचार-चित्र निर्माता के रूप में कार्य कर रहे हैं। पंजाबी पत्रिकाओं में उनकी सौ से अधिक कहानियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं। वे गत वर्ष भी सर्वोत्तम समाचर निर्माता के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं।

52 year old PRITAM S. ARSHI is working as a Newsreel Producer in Films Division for the last ten years. He has written more than one hundred short stories in Punjabi magazines. He has also won a National Award in 1986 for the Best News Film.

इस समाचार चित्र का छायांकन फिल्म प्रभाग के निम्न छायाकारों ने किया है: **नन्दगोपाल, सी०के०एम० राव, दीपक हल्दानकर, एस०आर० नायडू, महेश पी० सिन्हा, सुन्दर सिंह, उदय शंकर, एन० स्टानले, विजय परमार, के०बी० नायर, अशोक पाटिल, पी०डी० भीष्म, ए० अन्जनेयुलु।**

The camera team of THE POPE MEETS INDIA (NEWS MAGAZINE NO 70) consisted of NANDAGOPAL, C.K.M. RAO, DEEPAK HALDANKAR, S.R. NAIDU, MAHESH P. SINHA, SUNDER SINGH, UDAY SHANKAR, N. STANLEY, VIJAY PARMAR, K.B. NAIR, ASHOK PATIL, P.D. BHISHMA, A. ANJENEYLLU, all from Films Division.

सर्वोत्तम ऐनिमेशन फिल्म पुरस्कार

ए०बी०सी

निर्माता **पी०बी० पेन्डारकार, फिल्म प्रभाग, बम्बई** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

निर्देशक **अरुण गोंगडे** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

ऐनिमेटर **अरुण गोंगडे** को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम ऐनिमेशन फिल्म का पुरस्कार **ए०बी०सी** को सामाजिक महत्व के एक महान संदेश को ढंग से अभिव्यक्त करने के लिये ऐनिमेशन शैली का प्रयोग करके प्रस्तुतीकरण में नवीनता लाने के लिए दिया गया है।

award for the best animation film

A.B. SEE

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Producer P.B. PENDHARKAR, FILMS DIVISION, BOMBAY.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Director ARUN GONGADE.

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 10,000/- to the Animator ARUN GONGADE.

citation:

The Award for the Best Animation Film of 1986 is given to A.B. SEE for the freshness of treatment using animation technique to effectively convey a message of great social significance.

पी०बी० पेंढारकर ने 1952 से 1959 तक भालजी पेंढारकर और वी० शान्ताराम के सहायक के रूप में काम किया। उन्होंने मराठी फिल्म **भावताते देव** और बाल फिल्म **बाल शिवाजी** की कहानी लिखी तथा निर्देशन किया। **बाल शिवाजी** को 1981 में मद्रास में नवयुवा अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में सर्वोत्तम कथाचित्र का द्वितीय पुरस्कार मिला। 1961 से वे फिल्म प्रभाग में काम कर रहे हैं। उन्हें सर्वोत्तम शिक्षाप्रद फिल्म, सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म और सर्वोत्तम समाचार चित्र के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।

From 1952 to 1959, P.B. PENDHARKAR worked as assistant to Bhalji Pendharkar and V. Shantaram. He wrote and directed the Marathi film BHAV TATE DEV, and the children's film BAL SHIVAJI, which won the Second Best Feature Film award in the Neo-Youth International Film Festival held in Madras in 1981. He has been with Films Division since 1961. He has won national awards for the best educational film, the best promotional film and the best newsreel film.

अरुण गोंगडे ने व्यावसायिक कला में डिप्लोमा किया है और फिल्म प्रभाग में काम करते हैं। वे पोस्टरों के लिए पदक प्राप्त कर चुके हैं और दहेज पर उनके वृत्तचित्र **विदाई** का 1984 में राष्ट्रीय पुरस्कारों के निर्णायक मंडल ने विशेष उल्लेख किया।

ARUN GONGADE is a diploma holder in commercial art and works for Films Division. He has won medals for posters and his documentary BIDAAI, on dowry, received a special mention from the National Awards Jury in 1984.

विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार

ईक्वल पार्टनर्स

निर्देशक **यश चौधरी** को रजत कमल और 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का विशेष निर्णायक मंडल पुरस्कार **ईक्वल पार्टनर्स** को विभिन्न देशों में सद्भाव बढ़ाने के उद्देश्य से एक जटिल विषय को कुशलतापूर्वक चित्रित करने के लिए दिया गया है।

special jury award

EQUAL PARTNERS

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 5,000/- to the Director YASH CHAUDHARY.

citation:

The Special Jury Award of 1986 is given to EQUAL PARTNERS for the deft handling of a complex subject designed to promote better understanding between nations.

यश चौधरी फिल्म प्रभाग में निर्देशक हैं। उन्होंने 75 से अधिक फिल्मों का निर्देशन किया है, जिनमें से अनेक फिल्मों को राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं।

YASH CHAUDHARY is a director with Films Division. He has directed more than 75 films, several of which have won national and international awards.

सर्वोत्तम सिनेमा लेखन पुरस्कार

AWARDS FOR THE BEST WRITING ON CINEMA

सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक का पुरस्कार

रवीन्द्रनाथ ओ चलचित्र (बंगला)

लेखक **अरुण कुमार राय** को रजत कमल और 5,000/-रुपये का नकद पुरस्कार।

प्रशस्ति

1986 का सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक का पुरस्कार लेखक **अरुण कुमार राय** को उनकी बंगला पुस्तक **रवीन्द्रनाथ ओ चलचित्र** में मूक फिल्मों के युग से आज तक टैगोर की रचनाओं पर निर्मित कथाचित्रों और वृत्तचित्रों का मौलिक मूल्यांकन तथा विश्लेषण करने और इस प्रकार एक महत्वपूर्ण सृजनात्मक माध्यम, सिनेमा, को एक महान सृजनशील मस्तिष्क से जोड़ने के लिए दिया गया है।

award for the best book on cinema

RABINDRANATH O CHALACHITRA (Bengali)

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 5,000/- to the Author ARUN KUMAR ROY

citation:

The Award for the Best Book on Cinema of 1986 is given to ARUN KUMAR ROY for his book RABINDRANATH O CHALACHITRA (Rabindranath Tagore and Cinema) for making an original evaluation and analysis of films and documentaries made on Tagore's writings and personality from the silent era of cinema to date and thus linking cinema, an important creative medium, to a great creative mind.

अरुण कुमार राय ने फिल्मों के बारे में बंगला और अंग्रेजी की कई पुस्तकों का संपादन किया है। वे 1975 से बंगला की सांस्कृतिक पत्रिका **वर्णमाला** का भी संपादन कर रहे हैं। उन्होंने हरिसाधन दासगुप्ता के वृत्तचित्र **आचार्य नन्दलाल** (1984) के सहायक निर्देशक के रूप में काम किया।

ARUN KUMAR ROY has edited books on films, viz SATYAJIT RAY: THROUGH DIFFERENT ANGLES in Bengali, TWELVE INDIAN DIRECTORS, in English, and MRINAL SEN: THROUGH DIFFERENT ANGLES, in Bengali. He is also editor of a Bengali cultural magazine, BARNAMALA since 1975. He has worked as an Assistant Director in the documentary film, ACHARYA NANDALAL (1984) by Harisadhan Das Gupta.

सर्वोत्तम फिल्म पत्रकार का पुरस्कार

चिदानन्द दासगुप्ता

फिल्म पत्रकार **चिदानन्द दासगुप्ता** को रजत कमल और 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

प्रशस्ति

1986 का सर्वोत्तम फिल्म पत्रकार पुरस्कार **चिदानन्द दासगुप्ता** को उनके अद्वितीय लेखन के लिए दिया गया है, जिसमें फिल्मों का मूल्यांकन अलग रूप में नहीं, बल्कि कला की अन्य विधाओं में समन्वित पूर्ण कलात्मक अभिव्यक्ति के सन्दर्भ में किया गया है। इससे उनके लेखन को व्यापक परिप्रेक्ष्य मिला है और वह सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा ऐतिहासिक परिवर्तनों से जुड़ा रहता है।

award for the best film journalist

CHIDANANDA DASGUPTA

Rajat Kamal and a cash prize of Rs 5,000/- to the Film Journalist CHIDANANDA DASGUPTA.

citation:

The award for the Best Film Journalist of 1986 is given to CHIDANANDA DASGUPTA for his unique writings which do not look at films in isolation and instead evaluate them in the context of a total artistic expression as integrated in other forms of arts. This gives most of his writings a broader perspective and depth and links them with social, psychological and historical changes.

चिदानन्द दासगुप्ता ने 1947 में सत्यजीत राय के साथ मिलकर कलकत्ता फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उन्होंने **रक्तो** जैसी फिल्में तथा **सी०एम०डी० एज कलकत्ता** जैसे महत्वपूर्ण वृत्तचित्रों का निर्माण किया है। वे 1983 और 1984 में हवाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। वे फिल्म समीक्षकों के अन्तरराष्ट्रीय परिसंघ के सदस्य और पैंसिलवेनिया विश्वविद्यालय के संचार विश्वकोश के सलाहकार हैं तथा वाशिंगटन विश्वविद्यालय और शिकागो विश्वविद्यालय के फैलो रह चुके हैं। ब्रिटिश फिल्म संस्थान की पत्रिका **साइट एण्ड साउण्ड** में उनके लेख प्रकाशित हुए हैं और उन्होंने **मोनोग्राफ ऑन जीवानन्द दास** (साहित्य अकादमी, 1972), **सिनेमा ऑफ सत्यजीत राय** (विकास, 1980) **टॉकिंग अबाउट फिल्म्स** (लांगमैन्स, 1981), तथा **कीनो इन इंडिया** (फ्राइबर्ग, 1986) पुस्तकें लिखी हैं।

CHIDANANDA DASGUPTA founded the Calcutta Film Society in 1947, along with Satyajit Ray. He has made feature films like RAKTO, and important documentaries like CMDA's CALCUTTA He was a member of the Jury of the Hawai International Film Festival in 1983 and 1984. He is a member of the International Federation of Film Critics, Adviser to the Encyclopaedia of Communication of Pennyslavania University and has been a Fellow of Washington University and Chicago University. He has been a contributor to SIGHT AND SOUND and is author of MONOGRAPH ON JIBANANDA DAS (Sahitya Akademi, 1972), CINEMA OF SATYAJIT RAY (Vikas, 1980), TALKING ABOUT FILMS (Longmans, 1981), KINO IN INDIA (Freiberg, 1986).

विशेष उल्लेख

कथाचित्र निर्णायक मंडल ने **संदीप राय** द्वारा निर्देशित बंगला फिल्म **हिमघर** का विशेष उल्लेख किया है।

पुरस्कार जो नहीं दिए गए

कथाचित्र निर्णायक मण्डल ने निम्नलिखित पुरस्कार नहीं दिए:

1. राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए नर्गिस दत्त पुरस्कार
2. सर्वोत्तम बाल फिल्म
3. सर्वोत्तम गीत
4. सर्वोत्तम मराठी फिल्म

निम्नलिखित भाषाओं में किसी भी फिल्म की प्रविष्टि प्राप्त नहीं हुई:

1. गुजराती
2. कश्मीरी
3. पंजाबी
4. संस्कृत
5. सिंधी
6. उर्दू

गैर कथाचित्र निर्णायक मंडल ने सर्वोत्तम खोजी/साहसिक फिल्म के लिए कोई पुरस्कार नहीं दिया।

SPECIAL MENTION

The Feature Film Jury makes Special Mention of the Bengali Film HIMGHAR directed by SANDIP RAY.

AWARDS NOT GIVEN

The Feature Film Jury did not give the following awards:

1. Nargis Dutt Award for the Best Feature Film on National Integration
2. Best Children's Film
3. Best Lyric
4. Best Feature Film in Marathi

There were no entries in the following languages:

1. Gujarati
2. Kashmiri
3. Punjabi
4. Sanskrit
5. Sindhi
6. Urdu

The Non Feature Film Jury did not give any award for Best Exploration/Adventure Film.

कथाचित्र SYNOPSES:
कथासार FEATURE FILMS

अम्मा अरियन

मलयालम/115 मिनिट

निर्माताः सी०वाई० मूर्ति, **निर्देशक/पटकथा लेखकः** जॉन एब्रहैम, **कलाकारः** जॉय मैथ्यू, माजी वेंकटेश, कुन्हूलक्ष्मी अम्मा, इरिंगल नारायणी, **छायाकारः** वेणु, **ध्वनि आलेखकः** कृष्णनउन्नी, **संपादकः** बीना, **कला निर्देशकः** रमेश, **संगीतकारः** सुनीता

पुरुशन अपनी जीप में लम्बी यात्रा पर निकला है। तभी पुलिस उससे जीप मांग लेती है क्योंकि उसे पेड़ से लटके एक शव को ले जाना है। वह अपनी यात्रा का इरादा छोड़ देता है और अपने कुछ पत्रकार मित्रों तथा साम्यवादी साथियों की मदद से मृतक को पहचान लेता है जो कि हरि है। ये सब साथी हरि की मां को खबर करने कोचीन जाते हैं तो उन्हें हरि की पिछली बातें और राजनीतिक भाषण याद आते हैं।

AMMA ARIYAN

Malayalam/115 mins

Production: C.Y. Murthi **Direction and Script:** John Abraham **Cast:** Joy Mathew, Maji Venkitesh, Kunhulakshmi Amma, Iringal Narayani **Camera:** Venu **Sound:** Krishnanunni **Editing:** Beena **Art Direction :** Ramesh **Music Direction:** Sunitha

Purushan is on a long journey in a jeep, but the jeep in which he is travelling is commandeered by the police for transporting a body they have found hanging from a tree. He abandons his trip and with the help of journalist friends and communist friends, identifies the body as that of Hari, a young percussion player. As the group moves to Cochin to inform the dead man's mother, there are reminiscences of Hari's past and political debates.

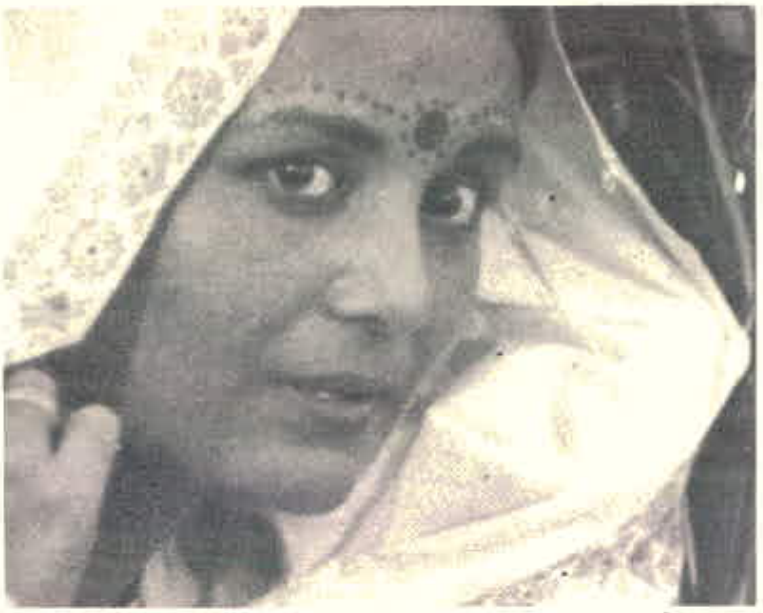

बान

असमिया/108 मिनिट

निर्माताः डो-रे-मी फिल्म्स, **निर्देशक/पटकथा लेखकः** चारुकमल हजारिका, **कलाकारः** पूर्णिमा पटनायक साईकिया, चन्द्र नारायण बरुआ, **छायाकारः** अभय शंकर, **ध्वनि आलेखकः** सतीश चन्हन, **संपादकः** तरुण दत्त, **संगीतकारः** नयन

मजुली असमिया वैष्णव संस्कृति का केन्द्र है। यह नदी के बीच एक द्वीप है जो ब्रह्मपुत्र की बाढ़ से घिर जाता है। एक स्वतंत्रता सेनानी का युवा पुत्र इन परिस्थितियों में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है।

BAAN

Assamese/108 mins

Production: Do-Re-Me-Films **Direction and Script:** Charu Kamal Hazarika **Cast:** Purnima Patnaik Saikia, Chandra Narayan Barua **Camera:** Abhoy Shankar **Sound:** Satish Chanhan **Editing:** Tarun Dutta **Music:** Nayan

Majuli, a river island and the root of Assamese Vaishnavite culture, is situated in a remote place of Assam. The island is in the grip of heavy erosion, and floods by the river Brahmaputra. A young man, whose father was a freedom fighter, fights corruption.

भंग सिलता

उड़िया/65 मिनिट

निर्माता: सीताकान्त मिश्र, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** प्रफुल्ल मोहन्ती, **कलाकार:** बसन्त सामल, मन्जुला कुआनार, शरत रथ, इस्सा बाबर्त, सुषमा दास, **संगीतकार:** संतम महापात्र, **छायाकार:** अरुण दास, **ध्वनि आलेखक:** भोलानाथ साहा, **संपादक:** आर० गणेशन, **कला निर्देशक:** अरुण दास

कोइली रतन और चम्पा की एकमात्र सन्तान है। रतन रिक्शा चलाता है और हर रोज रात को घर लौटकर चम्पा से दुर्व्यवहार करता है। एक दिन दोनों में कहासुनी होने पर रतन गुस्से से घर छोड़कर चला जाता है और फिर कभी नहीं लौटता। पिंजरे में बन्द तोता कोइली का नाम पुकारता है। कोइली रोज़ी से स्लेट और चाक का टुकड़ा लेकर लिखना पढ़ना शुरू कर देती है। रोज़ी उस डॉक्टर की लड़की है जिसके यहां चम्पा नौकरानी है। चम्पा को कोइली का लिखना-पढ़ना पसन्द नहीं है। एक दिन वह उसकी स्लेट तोड़ देती है और उसकी शादी लक्ष्मण से कर देती है जो कोइली से कई वर्ष बड़ा है। फिर भी कोइली लक्ष्मण को खुश रखने का प्रयास करती है।

BHANGA SILATA

Oriya/65 mins

Production: Sita Kant Misra **Direction and Script:** Prafulla Mohanty **Cast:** Basanta Samal, Manjula Kaunar, Sarat Rath, Issa Babartta, Susama Das **Music:** Santam Mohapatra **Camera:** Arun Das **Sound:** Bholanath Saha **Editing:** R Ganesan **Art Direction:** Arun Das

Koili is the only child of Ratan and Champa. Ratan is a rickshaw puller who returns home every night to misbehave with Champa. One day, following Champa's protests, Ratan leaves home in a huff, never to return. In the distressful situation, the caged parrot calls out Koili's name. Koili borrows a slate and a piece of chalk from Rosy, the daughter of the doctor, where the mother works as a maid. Champa does not like Koili to read and write. She breaks the slate one day and marries Koili to Laxman, a man many years older than Koili. Nevertheless, Koili tries to please Laxman.

दूरे दूरे ओरु कूडु कूट्टाम

मलयालम/130 मिनिट

निर्माता: एम० मणि, **निर्देशक:** सिबी मलायिल, **पटकथा लेखक:** श्रीनिवासन, **कलाकार:** मोहनलाल, मेनका, नेडुमुडी, वेणु, सुकुमारी, **संगीतकार:** श्याम, **छायाकार:** एस० कुमार, **ध्वनि आलेखक:** कन्नन **संपादक:** वी०पी० कृष्णन्, **कला निर्देशक:** श्रीणि, **वेशभूषाकार:** वेंकटेश, **गीतकार:** चुन्नकारा रामन कुट्टी

इस फिल्म में केरल के एक प्राईवेट स्कूल का चित्रण है और शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया गया है। दिवाकरन अध्यापक प्रशिक्षण का नकली प्रमाण पत्र प्राप्त करता है और रिश्वत देकर एक प्राईवेट स्कूल में अध्यापक नियुक्त हो जाता है। स्कूल में एक दुर्घटना के बाद जब वह स्कूल की इमारत खराब होने की शिकायत करता है तो पुलिस नकली प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप में उसे गिरफ्तार कर लेती है।

DOORE DOORE ORU KOODU KOOTTAM

Malayalam/130 mins

Production: M. Mani **Direction:** Cibi Malayil **Screenplay:** Sreenivasan **Cast:** Mohanlal, Menaka, Nedumudi, Venu, Sukumari **Music:** Shyam **Camera:** S. Kumar **Sound:** Kannan **Editing:** V.P. Krishnan **Art Direction:** Sreeni **Costumes:** Venkatesh **Lyrics:** Chunnakara Raman Kutty

The film focuses on a private school in Kerala and exposes corruption in school education. Divakaran obtains a bogus teacher's training certificate, pays hush money and gains employment as a teacher in a private school. When, after a calamity, he protests against the poor maintenance of the school building, he is arrested by the police for his false certificate.

लालन फकीर

बंगला/145 मिनिट

निर्माता/निर्देशक/पटकथा लेखक: शक्ति चटर्जी, **कलाकार:** असीम कुमार, संध्या राय, असित बरन, महुआ राय चौधरी, **संगीतकार:** हेमांग बिस्वास, **गीतकार:** लालन फकीर, **पार्श्व गायक:** हेमन्त मुखर्जी, प्रतिमा बैनर्जी, मन्ना डे, आदि

लालन एक उत्साही युवक है जो बांसुरी बजाता है और छोटे से गांव में अपनी विधवा मां और पत्नी तुलसी के साथ शान्ति से रहता है। एक बार मंदिर के दर्शन करने के बाद लालन नदी के किनारे अचेत होकर गिर पड़ता है। उसकी देखभाल फातिमा सिराज सई और मोती द्वारा की जाती है। थोड़ी देर बाद वह ठीक हो जाता है लेकिन उसकी स्मरण शक्ति खो जाती है। मोती को उससे प्रेम हो जाता है। सिराज के प्रयासों से लालन की स्मृति लौट आती है और वह अपनी माँ और पत्नी से मिलने जाता है। लेकिन मुस्लिम परिवार में काफी समय तक रहने के कारण उसे समाज से निष्कासित कर दिया जाता है। इस पर वह फिर फातिमा, सिराज और मोती के पास चला जाता है और वे सब बाउल भाट बनकर तीर्थ यात्रा को निकल पड़ते हैं।

LALAN FAKIR

Bengali/145 mins

Production, Direction and Script: Sakti Chatterjee **Cast:** Asim Kumar, Sandhya Roy, Asit Baran, Mohuya Roy Chowdhury **Music:** Hemanga Biswas **Lyrics:** Lalan Fakir **Playback Singers:** Hemanta Mukherjee Protima Banerjee, Manna De, etc.

Lalan, a lively young man, plays the flute and lives a quiet life in a hamlet of rural Bengal, with his widowed mother and wife, Tulsi. After a visit to a shrine, Lalan falls unconsious by a river bank. He is looked after by Fatema and Siraj Sai, and waited upon by Moti. He soon recovers, but loses his memory. Moti's fascination towards him turns to love. With Siraj's efforts, memory returns and he meets his mother and wife. But having lived in a Muslim household, he is excommunicated from society. He joins Fatema, Siraj and Moti, and together they set out on a pilgrimage as Baul minstrels.

माधवाचार्य

कन्नड़/150 मिनिट

निर्माता/निर्देशक/पटकथा लेखकः जी०वी० अय्यर, **कलाकारः** पूर्ण प्रसाद, जी०एम० कृष्णमूर्ति, जी०वी० कल्पना, बेबी शोरा, **छायाकारः** मधु अम्बाट, **संगीतकारः** डा० एम० बालमुरलीकृष्ण, **गीतकारः** माधवाचार्य, **संपादकः** वी०आर०के० प्रसाद, **कला निर्देशक/वेशभूषाकारः** पी० कृष्णमूर्ति

इस फिल्म में 13वीं शताब्दी के महात्मा, समाज सुधारक और दार्शनिक माधवाचार्य की जीवनी को चित्रित किया गया है। माधवाचार्य का जन्म ऐसे परिवार में हुआ जिसका विश्वास अद्वैत मत में था। इस मत के अनुसार प्रत्येक जीव ब्रह्म है। माधवाचार्य को वेदों का ज्ञान अपने पिता से प्राप्त हुआ जो गांव वालों को भगवान कृष्ण के जीवन के बारे में प्रवचन दिया करते थे। उन्होंने द्वैत दर्शन का निरूपण किया। शास्त्रार्थ में एक प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु को पराजित किया तथा ब्रह्मसूत्र और भगवद् गीता की नई व्याख्या प्रस्तुत की। अपने गुरू के साथ अपने नये दर्शन का प्रचार-प्रसार करने के लिए उन्होंने देशाटन किया। वे हिमालय पर्वत में भगवान बदरीनारायण मन्दिर के दर्शन करने भी गए।

MADHAVACHARYA

Kannada/150 mins

Production, Direction & Script: G.V. Iyer **Cast:** Poorna Prasad, G.M. Krishnamurthy, G.V. Kalpana, Baby Shora **Camera:** Madhu Ambat **Music:** M. Balamurali Krishna **Lyrics:** Madhavacharya **Editing:** V.R.K. Prasad **Art Direction and Costumes:** P. Krishnamurthy

The film is a biography of Madhavacharya, savant, social reformer and philosopher, who lived in the thirteenth century. Madhavacharya is born into a family devoted to Advaita, or monism, which propounds that every individual is, in essence, the absolute. He learns the Vedas from his father, a simple man who gives discourses on the life of Krishna to the villagers. He propounds the philosophy of Dvaita or Duality, defeats an eminent Buddhist monk in debate, and expounds his new interpretation of the sacred Brahmasutra and the Bhagvadgita. Accompanied by his teacher, he travels extensively over the land to propagate the new philosophy. He undertakes a pilgrimage to the Himalayas, to the shrine of Lord Badrinarayana, an incarnation of Vishnu.

माझी पाहचा

उड़िया/77 मिनिट

निर्माता: दीप्ति मोहन्ती, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** मनमोहन महापात्र, **कलाकार:** अरुण नन्दा, जया स्वामी, मिहिर दास, पुष्पा पण्डा, **छायाकार:** दिलीप राय, **संगीतकार:** शान्तनु महापात्र, **सम्पादक:** रवि पटनायक, **कला निर्देशक:** बंचनिधि पटनायक

कैलाश बाबू अवकाश प्राप्त सरकारी कर्मचारी और विधुर हैं। वे अपने गांव के घर में दो बेटों अरुण और अरूप तथा बेटी कुनी के साथ रहते हैं। सबसे बड़ा बेटा अरुण भुवनेश्वर में एक प्राइवेट कंपनी में क्लर्क है और हर रोज नौकरी करने वहां जाता है। वह कवि है और अपनी कविताएं प्रकाशित कराने का इच्छुक है। वह दहेज विरोधी विषय पर उपन्यास लिख रहा है। छोटे बेटे अरूप को कॉलेज में प्रवेश के लिए चन्दे की राशि में वृद्धि हो जाने पर चिन्ता है। कैलाश बाबू को कुनी की शादी की चिन्ता सताए जा रही है। अरुण न चाहते हुए भी शादी के लिए तैयार हो जाता है, जिसमें उसका भावी ससुर अपने आप दहेज देने को राजी है।

MAJHI PAHACHA

Oriya/77 mins

Production: Dipti Mohanty **Direction and Script:** Manmohan Mahapatra **Cast:** Arun Nanda, Jaya Swami, Mihir Das, Pushpa Panda **Camera:** Dilip Roy **Music:** Shantanu Mahapatra **Editing:** Ravi Pattnaik **Art Direction:** Banchanidhi Pattnaik

Kailash Babu, a retired government servant and a widower lives modestly with his sons, Arun and Arup, and his daughter Kuni in their village house. Arun, the eldest son, travels every day to Bhubaneswar, where he works as a clerk in a private firm. He writes poetry and would like to publish his poems. Presently, he is working on a novel with an anti-dowry theme. Arup, the youngest son, has worries for raising the donation amount for admission into A.M.I.E. Kailash Babu's immediate concern is Kuni's marriage. Much against his conscience, Arun accepts a proposal for his marriage, where the prospective father-in-law agrees to pay a dowry on his own.

मिर्च मसाला

हिन्दी/128 मिनिट

निर्माता: राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि०, **निर्देशक:** केतन मेहता, **कथाकार:** चुन्नीलाल मादिया, **पटकथा लेखक:** हृदय लाणी, त्रिपुरारी शर्मा, **कलाकार:** नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल, सुरेश ओबेराय, ओम पुरी, दीप्ति नवल, बेंजामिन गिलानी, गोखले, सुप्रिया पाठक, **संगीतकार:** रजत ढोलकिया, **छायाकार:** जहांगीर चौधरी, **ध्वनि आलेखक:** भगत सिंह, सुरेश कथूरिया, **संपादक:** संजीव शाह, **कला निर्देशक:** मीरा, आशीष लाखिया, **वेशभूषाकार:** अर्चना शाह

कहानी आजादी से पहले की है। सौराष्ट्र में एक गांव में एक सूबेदार अपनी फौज, घोड़े और तम्बू लेकर पहुंचता है। उसके पास ग्रामोफोन भी है, जिसे देखकर गांव के लोग बहुत प्रभावित होते हैं। गांव का मुखिया सूबेदार का मुंह लगा बन जाता है। सूबेदार की नजर सोनबाई नाम की सुन्दर औरत पर पड़ती है, जिसका पति रेलवे में नौकरी के कारण गांव से बाहर रहता है। सोनबाई सूबेदार की हरकतों से तंग आकर मिर्च तैयार करने के कारखाने में जाकर शरण लेती है। मुखिया सोनबाई को सूबेदार के तम्बू में जाने को राजी करने की कोशिश करता है। स्कूल का अध्यापक, मुखिया की पत्नी और कारखाने का बूढ़ा चौकीदार सोनबाई के बचाव में आते हैं। जब सूबेदार मिर्च कारखाने को घेर लेता है तो कारखाने में मिर्च कूटने वाली औरतें बचाव का अपना अलग तरीका ढूंढ लेती हैं।

MIRCH MASALA

Hindi/128 mins

Production: National Film Development Corporation Ltd. **Direction:** Ketan Mehta **Story:** Chunilal Madia **Script:** Hriday Lani and Tripurari Sharma **Cast:** Naseeruddin Shah, Smita Patil, Suresh Uberoi, Om Puri, Deepti Naval, Benjamin Gilani, Gokhale, Supriya Pathak **Music:** Rajat Dholakia **Camera:** Jehangir Choudhury **Sound:** Bhagat Singh and Suresh Kathuria **Editing:** Sanjiv Shah **Art Direction:** Meera and Ashish Lakhia **Costumes:** Archana Shah

In the early forties in Saurashtra, a Subedar arrives with his troops, horses and tents. The villagers are awed with his gramophone and the village head becomes a loyal subject. The Subedar's eye falls on the sensuous Sonbai, whose husband is away working with the railways. Sonbai spurns the Subedar's advances and takes refuge in a chilli factory. The village headman tries to persuade Sonbai to visit the Subedar's tent. The only protest comes from the school teacher, the village headman's wife and the aged watchman from the chilli factory. As the Subedar besieges the chilli factory, the women who pound red chillis in the factory, devise their own means of attack and self-defence.

मौन रागम

तमिल/150 मिनिट

निर्माता: जी० वेंकटेश्वरन, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** मणि रत्नम, **कलाकार:** मोहन, रेवती, कार्तिक, **छायाकार:** पी०सी० श्रीराम, **ध्वनि आलेखक:** एस०पी० रामनाथन, **संपादक:** बी० लेनिन, **कला निर्देशक:** तोटा तारिणी **संगीतकार:** इलयाराजा

मद्रास में कॉलेज में पढ़ने वाली युवती दिव्या स्वच्छंद प्रेम के सपने देखती है। मां-बाप के कहने पर वह दिल्ली में अच्छे पद पर काम कर रहे युवक चन्द्रू से शादी कर लेती है। चन्द्रू द्वारा काफी प्यार किए जाने के बावजूद दिव्या उसे सच्चा प्यार नहीं मानती और तलाक लेने की बात करती है। वह चन्द्रू को बताती है कि शादी से पहले कुछ समय तक उसका मनोहर से प्रेम चला था जो राजनीतिक कार्यकर्ता था और पुलिस की गोली से मारा गया था। वकील उन्हें सलाह देता है कि आपसी सहमति से तलाक लेने के लिए उन्हें एक साल इन्तजार करना होगा। इस बीच चन्द्रू पर एक मजदूर हमला करता है और उसे चोट लग जाती है जिससे दिव्या उसकी ओर आकर्षित होने लगती है।

MOUNA RAGAM

Tamil/150 mins

Production: G. Venkateswaran **Direction and Script:** Mani Rathnam **Cast:** Mohan, Revathi, Karthik **Camera:** P.C. Sriram **Sound:** S.P. Ramanathan **Editing:** B. Lenin **Art Direction:** Thotaa Tharini **Music:** Ilayaraja

Divya, a young college girl in Madras, dreams of romantic love. On her parents' plea, she enters into an arranged marriage with Chandru, a young MBA working in Delhi. In spite of Chandru's tenderness towards her, Divya spurns Chandru's affections, and asks for a divorce. She discloses to Chandru that she had earlier had a brief love affair with Manohar, a radical political worker, who was shot by the police. An advocate advises them that they will have to wait for a year for a divorce by mutual consent. Subsequently, Divya is drawn towards Chandu, after he is assaulted by a disgruntled worker.

नखक्षतंगल

मलयालम/140 मिनट

निर्माताः पार्वती, गायत्री, **निर्देशकः** हरिहरन, **पटकथा लेखकः** एम०टी० वासुदेवन नायर, **कलाकारः** विनीत, मोनीषा, तिलकन, सलीमा, **संगीतकारः** रवि, **छायाकारः** शाजी, **ध्वनि आलेखकः** राजगोपाल, **संपादकः** एम०एस० मणि, **वेशभूषाकारः** नटराजन

रामू और गौरी केरल में प्रसिद्ध गुरूवयूर मंदिर में मिलते हैं और एक दूसरे के दोस्त बन जाते हैं। कुछ समय बाद पालघाट में उनकी फिर मुलाकात होती है जहां रामू एक ब्राह्मण नम्बूदरि के घर रसोईये के रूप में काम करता है और साथ में कॉलेज में पढ़ाई भी कर रहा है। गौरी एक वृद्ध महिला के घर में नौकरानी है। जब नम्बूदरि अपने पिता की बीमारी की खबर सुनकर गांव चला जाता है तो गौरी की मालकिन रामू को अपने यहाँ नौकर रख लेती है और उसे आगे पढ़ने देती है। उस औरत का बेटा, जो कि वकील है, रामू को आगे पढ़ने को प्रोत्साहित करता है। जब वृद्ध महिला गंभीर रूप से बीमार हो जाती है तो वह रामू से कहती है कि वह उसकी सुन्दर लेकिन गूंगी पोती लक्ष्मी से शादी कर ले। लेकिन रामू को गौरी से सच्चा प्यार है।

NAKHAKSHATHANGAL

Malayalam/140 mins

Production: Parvathi and Gayathri **Direction:** Hariharan **Script:** M.T. Vasudevan Nair **Cast:** Vineeth, Monisha, Thilakan, Saleema **Music:** Ravi **Camera:** Shaji **Sound:** Rajagopal **Editing:** M.S. Money **Costumes:** Natarajan

Two teenagers, Ramu and Gouri, meet at the famous Guruvayoor temple in Kerala and become friends. Sometime later, they meet again at Palghat, where Ramu works as a cook in the brahmin Namboodiri's house, and also studies in a college. Gouri is a servant-maid in an old lady's house. When Namboodiri returns to his village following his father's illness, Gouri's mistress allows Ramu to stay in their house as a kitchen help, and permits him to continue his studies. The old lady's son, a lawyer, encourages Ramu with his studies. When the old lady falls seriously ill, she suggests that Ramu marry Lakshmi, her pretty but mute grand-daughter. But Ramu has a deep attachment for Gouri.

नमुक्कु पारक्कान मुन्दिरि तोप्पुकल

मलयालम/130 मिनिट

निर्माताः मणि मलियात, **निर्देशक/पटकथा लेखकः** पद्मराजन **कलाकारः** मोहन लाल, सारी, तिलकन, कवियूर पोनम्मा, **संगीतकारः** जॉनसन, **छायाकारः** वेणु, **ध्वनि आलेखकः** कोलेश्वर राव, **संपादकः** पी० लेनिन, **कला निर्देशकः** सुन्दरम्, **गीतकारः** सी०एन०वी० कुरुप

अंगूर की खेती करने वाला युवक सोलोमन अपनी मां रीता से बहुत प्यार करता है। वह अपनी पड़ोसी अनाथ लड़की सोफिया से प्रेम करने लगता है। किन्तु रीता को सोफिया के साथ शादी करने का सोलोमन का प्रस्ताव पसन्द नहीं है। उधर सोफिया की देखभाल करने वाला व्यक्ति जिसे वह पिता मानती है, अपने एक साथी के साथ सोफिया की शादी करना चाहता है। सोफिया का यह तथाकथित बाप उसके साथ बलात्कार करता है। इस पर भी सोलोमन सोफिया को पत्नी बनाने को तैयार हो जाता है।

NAMUKKU PARKKAN MUNTHIRI THOPPUKAL

Malayalam/130 mins

Production: Mani Malliath **Direction and Screenplay:** Padmarajan **Cast:** Mohanlal, Sari, Thilakan, Kaviyoor Ponnamma **Music:** Johnson **Camera:** Venu **Sound:** Koleswara Rao **Editing:** P. Lenin **Art Direction:** Sundaram **Lyrics:** C.N.V. Kurup

Solomon, a young vine farmer, who is devoted to his mother, Ritha, falls in love with an orphan, Sofia, who is a neighbour. Ritha is opposed to Solomon's proposal for marrying Sofia. Again, Sofia's adopted father wants her to marry a colleague of his. Sofia is raped by her stepfather. Even then Solomon accepts Sofia.

ओरिडथ

मलयालम/112 मिनिट

निर्माता: मैसर्स सूर्यकान्ति फिल्म मेकर्स, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** जी० अरविन्दन, **कलाकार:** नेडुमुडी वेणु, सितारा, श्रीनिवासन, वत्सला मेनन, **छायाकार:** शाजी, **ध्वनि आलेखक:** देवदास, **संपादक:** के०आर० बोस, **कला निर्देशक:** पद्म कुमार

कोचीन-ट्रैवैन्कोर में दूर दराज़ के गांव में पाँचवें दशक के मध्य के वर्षों में बिजली आ जाने से गांव के लोगों का जीवन बदल जाता है और उनके आपसी संबंधों में परिवर्तन आ जाता है। बिजली के इस नए प्रकाश में राजनीतिक असंतोष, छोटी उम्र के लड़के-लड़कियों में प्यार अवैध संबंध तथा गर्भपात कराते हुए एक महिला की मृत्यु जैसी कई छिपी बातें उजागर हो उठती हैं। एक लड़के की बिजली का करन्ट लगने से मृत्यु हो जाती है किन्तु आतिशबाजी देखने में मस्त लोगों का ध्यान उस तरफ नहीं जाता।

ORIDATH

Malayalam/112 mins

Production: M/S Suryakanthi Film Makers **Direction and Screenplay:** G. Aravindan **Cast:** Nedumudi Venu, Sithara, Sreenivasan, Vatsala Menon **Camera:** Shaji **Sound:** Devadas **Editing:** K.R. Bose **Art Direction:** Padma Kumar

The arrival of electricity in a remote village in the erstwhile Travancore Cochin state alters the lives and relationships of the villagers in the mid-fifties. Political dissent, innocent teen-aged love, illicit affairs and a fatal abortion are illuminated by electricity. But festive fireworks enshroud the electrocution of a teen-aged boy.

परिणति

हिन्दी/123 मिनिट

निर्माता/निर्देशक/छायाकार/संपादकः प्रकाश झा, **पटकथा लेखकः** इरपिन्दर भाटिया, **कलाकारः** वसन्त जोसालकर, सुरेखा सीकरी, **ध्वनि आलेखकः** अश्विन बलसावर, **कला निर्देशक/वेश भूषाकारः** प्रभात झा, **संगीतकारः** रघुनाथ सेठ

फिल्म राजस्थान की पुराने दिनों की एक कहानी पर आधारित है। एक स्थान पर गणेश कुम्हार, उसकी पत्नी कुर्जन और उनका इकलौता लड़का लिछमन रहते हैं। गांव के व्यापारी के कहने पर वे दूर के एक स्थान पर व्यापारी की धर्मशाला की देख-रेख का काम करने चले जाते हैं। वे धर्मशाला में ठहरने वाले मुसाफिरों की खूब देखभाल करते हैं और इस तरह अच्छा नाम कमा लेते हैं। कुछ समय बाद धर्मशाला में ठहरने आए एक व्यापारी और उसकी घरवाली भविष्यवाणी करते हैं कि गणेश का लड़का बड़ा भाग्यशाली है और वे उसे 12 साल के लिए अपने साथ ले जाते हैं। बेटे के विछोह में कुम्हार और उसकी पत्नी बहुत लालची बन जाते हैं और धर्मशाला में ठहरने आए कई अमीर दम्पतियों की हत्या करके गहने और नकदी चुरा लेते हैं। आखिर एक दिन उनका अपना लड़का धर्मशाला में पहुंचता है लेकिन ये दोनों उसे पहचान नहीं पाते और धन के लालच में कुल्हाड़े से उसके भी टुकड़े कर डालते हैं।

PARINATI

Hindi/123 mins

Production, Direction, Camera and Editing: Prakash Jha **Script:** Irpinder Bhatia **Cast:** Vasant Josalkar, Surekha Sikri **Sound:** Ashwyn Balsawar **Art Direction and Costumes:** Prabhat Jha **Music:** Raghunath Seth

In the mystical landscape of ancient Rajasthan live Ganesh Kumhar, a potter, his wife, Kurjan, and their only son Lichman. At the request of the village merchant, they look after a dharmashala at a remote place. They take care of the travellers staying at the free inn, and earn a good reputation for themselves. After some time, a merchant and his wife who stay at the dharmashala predict immense fortune for Ganesh's son, and take the son away for a twelve-year training in business. Grief for the separated son turns into avarice and the potter and his wife kill several wealthy couples staying at the dharamshala and steal their jewels and money. Ultimately, when the son returns incognito, he too falls a victim to the axe.

पथ भोला

बंगला/131 मिनिट

निर्माता: रवीन्द्र रामकृष्ण, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** तरुण मजूमदार, **कलाकार:** उत्पल दत्त, संध्या राय, तापस पाल, नैना दास, **संगीतकार:** हेमन्त मुखर्जी, **गीतकार:** पुलक बंदोपाध्याय, **छायाकार:** पन्टू नाग, **संपादक:** रमेश जोशी, **कला निर्देशक:** सुरेश चन्द्र, **वेशभूषाकार:** तरुण मजूमदार

बिगड़े हुए पांच लड़के रवि, गिनी, मारा, काला और सुमन छोटे-मोटे अपराध करते हैं और नकली दवाइयां बनाने के कारखाने में काम करते हैं। फैक्टरी पर पुलिस का छापा पड़ने पर वे सिपाहियों से लड़ते हैं और एक सिपाही को गोली मार कर जख्मी कर देते हैं। बाद में उस सिपाही की मृत्यु हो जाती है और पांचों लड़के गाड़ी में बैठकर भाग जाते हैं। वे एक वीरान जगह पर पहुंचते हैं जहां सिर्फ एक झोंपड़ी है। झोंपड़ी में सत्तर वर्षीय तेजेन और उसकी भतीजी आवा रहते हैं। पांचों दोस्त तेजेन को डराने की कोशिश करते हैं लेकिन तेजेन भूतपूर्व क्रांतिकारी है और वह उनसे हथियार छीनकर उन्हें दबोच लेता है। इसके बाद उसके कहने पर पांचों लड़के बंजर भूमि में खेती करने लगते हैं।

PATH BHOLA

Bengali/131 mins

Production: Rabindra Ramkrishna **Direction and Script:** Tarun Mazumdar **Cast:** Utpal Dutt, Sandhya Roy, Tapas Pal, Naina Das **Music:** Hemanta Mukherjee **Lyrics:** Pulak Bandopadhya **Camera:** Pantoo Nag **Editing:** Ramesh Joshi **Art Direction:** Suresh Chandra **Costumes:** Tarun Mazumdar

Five delinquents, Rabi, Ginni, Mara, Kala and Suman leave petty crime and take work in a spurious drug factory. Following a police raid on the factory, they fight the cops and inflict a bullet wound on a policeman, who succumbs to the injuries. The five friends escape in a train and arrive at a desolate spot. They enter the single cottage in the vicinity and threaten the seventy-year old owner, Tejen and his niece Ava. Tejen, a former revolutionery, over-powers the young men, seizes their weapons, and forces them to cultivate the barren land.

फेरा

बंगला/90 मिनिट

निर्माता/निर्देशक/पटकथा लेखकः बुद्धदेब दासगुप्ता, **कलाकारः** सुब्रत नन्दी, आलोकनन्द दत्त, सुनील मुखोपाध्याय, चन्दा दत्त, अनिकेत सेनगुप्ता, **संगीतकारः** जोतिशिस्क दासगुप्ता, **छायाकारः** ध्रुवज्योति बोस, **ध्वनि आलेखकः** ए० मुखोपाध्याय, **संपादकः** उज्जल नन्दी, **कला निर्देशकः** बिश्वजीत दासगुप्ता, **वेशभूषाकारः** राजा सेन

शशांक को अपने पूर्वजों से विरासत में छोटे से कस्बे में एक पुराने मकान के साथ-साथ कलात्मक अभिरुचि भी मिली है। वह जात्रा नाटक लिखता है जिनमें महान चरित्रों की रचना करता है। किन्तु नाटक की दुनिया के बाहर उसका संसार सूना और दुखद है। उसकी पत्नी जमुना उसे छोड़ कर किसी और के साथ रहने लगी है। उसका नौकर राशु ही उसका एकमात्र दोस्त है। जमुना की विधवा बहन सरजू अपने बच्चे कानु के साथ शशांक के साथ रहने लगती है। धीरे-धीरे शशांक और सरजू में शारीरिक संबंध स्थापित हो जाते हैं। लेकिन कानु शशांक के नाटकों में इस्तेमाल होने वाली तरह-तरह की वेशभूषाओं और रिहर्सल के लिए अपने-आप से बोले गए शब्दों में ही मस्त रहता है।

PHERA

Bengali/90 mins

Production, Direction, Screenplay: Buddhadeb Dasgupta **Cast:** Subrata Nandy, Aloknanda Dutta, Sunil Mukhopadhyay, Chanda Datta, Aniket Sengupta **Music:** Jotyshiska Dasgupta **Camera:** Dhrubajyoti Bose **Sound:** A. Mukhopadhyaya **Editing:** Ujjal Nandy **Art Direction:** Biswajit Dasgupta **Costumes:** Raja Sen

From his ancestors, Sasanka has inherited an artistic temperament and a crumbling mansion, in an obscure village town. He writes plays for jatra, the traditional folk theatre of Bengal and portrays the larger than life characters in his plays. Outside the domain of theatre, the world appears petty and ungrateful to Sasanka. His wife, Jamuna, has deserted him for another man. Sasanka's only friend is his servant Rashu. Jamuna's widowed sister, Saraju, comes to live with Sasanka with her small boy, Kanu. A physical relationship, governed by economic dependence, develops between Sasanka and Saraju. But the little boy, Kanu admires Sasanka's period costumes and monologue rehearsals.

सम्सारम अधु मिन्सारम

तमिल/135 मिनिट

निर्माताः ए०वी०एम० प्राडक्शन्स, **निर्देशक/पटकथा लेखकः** विशु, **कलाकारः** विशु, उर्वशी, लक्ष्मी, चन्द्रशेखर, मनोरमा, **संगीतकारः** शंकर गणेश, **छायाकारः** एन० बालकृष्णन **ध्वनि आलेखकः** जे०जे० मणिक्कम, **संपादकः** ए० पाल दुरैसिंगम्, **कला निर्देशकः** बी० नागराज राव, **वेशभूषाकारः** सरगुनन, **गीतकारः** वैरामुथु

अम्मयप्पा मुदलियार और गोदावरी के दो विवाहित लड़के, एक विवाहित लड़की तथा एक अविवाहित बेटा है, जो स्कूल में पढ़ता है। लड़कों के वैवाहिक जीवन में आपसी मनमुटाव के कारण सारे परिवार में तनाव पैदा हो जाता है। सबसे बड़ी बहू उमा अपने बच्चे और एक नौकरानी की मदद से पूरे परिवार में मेलजोल करा देती है।

SAMSARAM ADHU MINSARAM

Tamil/135 mins

Production: A.V.M. Productions **Direction and Script:** Vishu **Cast:** Vishu, Oorvasi, Lakshmi, Chandrasekar, Manorama **Music:** Sankar Ganesh. **Camera:** N. Balakrishnan **Sound:** J.J. Manickam **Editing:** A. Paul Duraisingam **Art Direction:** B. Nagaraja Rao **Costumes:** Sargunan **Lyrics:** Vairamuthu

Ammayappa Mudaliar and Godavari have two married sons, a married daughter and a high school going son. Marital discords in the younger generation bring strains to the enlarged joint family. The eldest daughter-in-law, Uma unites the whole family with the help of her child and a maid servant.

शंखनाद

कन्नड़/150 मिनिट

निर्माता/ निर्देशक/ पटकथा लेखक/सम्पादकः उमेश कुलकर्णी, **कलाकारः** एम०ए० अरविन्द, अभिनय, रमेश भट्ट, महिमा, **छायाकारः** एम०ए० रवीन्द्र, **ध्वनि आलेखकः** जी०वी० सोमशेखर, **संगीतकारः** सी० अश्वत्थ, **कला निर्देशकः** एम०बी० पाटिल, **वेशभूषाकारः** मल्लेश हर्ती

शहर का एक युवक नौकरी की तलाश में है। उससे कहा जाता है कि वह अपने आवेदन पत्र के साथ अपनी जाति का प्रमाण पत्र भी लगाए। उसे जाति प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत के अध्यक्ष से बनवाना है। जब वह गांव पहुंचता है तो उसे मालूम होता है कि गांव का भिखारी ही पंचायत का अध्यक्ष है जो चलते-फिरते ही अपना काम करता है क्योंकि ऊंची जाति के लोगों ने उसे अध्यक्ष के दफ्तर का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी। अगले पंचायत चुनावों में एक वेश्या गांव की अध्यक्ष चुनी जाती है और भिखारी उपाध्यक्ष बनता है।

SHANKHA NADA

Kannada/150 mins

Production, Direction, Script and Editing Umesh Kulkarni **Cast:** M.A. Arvind, Abhinaya, Ramesh Bhatt, Mahima **Camera:** M.A. Ravindra **Sound:** G.V. Somshekhar **Music:** C. Aswath **Art Director:** M.B. Patil **Costumes:** Mallesh Harti

A city youth in search of a job, is advised to submit his caste certificate along with his application. He has to avail the caste certificate from the village panchayat chairman. When he visits his village, he finds the panchayat chairman to be a village beggar, who maintains a mobile office, as he is prevented from functioning in the chairman's office by the upper caste Gondas. At the next panchayat elections, a prostitute is elected chairman and the begger is elected vice chairman.

स्वाति मुथ्यम

तेलुगु/150 मिनिट

निर्माता: एडिडा नागेश्वर राव, **निर्देशक/पटकथा लेखक:** के० विश्वनाथ, **कलाकार:** कमल हासन, राधिका, श्रीराम एडिडा, निर्मला, मास्टर कार्तिक, **छायाकार:** एम०वी० रघु, **ध्वनि आलेखक:** एस०पी० रामनाथन, **संपादक:** जी०जी० कृष्णा राव, **कला निर्देशक:** अरुण डी० गोडगावंकर, **वेशभूषाकार:** के० सूर्य राव, **संगीतकार:** इलयाराजा

एक गांव में पवित्र हृदय वाला युवक सिवैया और एक युवा विधवा ललिता एक दूसरे से प्रेम करने लगते हैं। ललिता का पांच साल का एक लड़का भी है। सिवैया और ललिता शहर चले जाते हैं और इकट्ठे रहने लगते हैं।

SWATHI MUTHYAM

Telugu/150 mins

Production: Edida Nageswara Rao, **Direction and Script:** K. Viswanath, **Cast:** Kamal Hasan, Radhika, Sriram Edida, Nirmala, Master Karthik, **Camera:** M.V. Raghu, **Sound:** S.P. Ramanathan, **Editing:** G.G. Krishna Rao, **Art Direction:** Arun D. Godgavanakar, **Costumes:** K. Surya Rao, **Music:** Ilayaraja

Sivaiah, a young man with a pure heart and Lalitha, a young widow with a five year-old son are drawn to each other in a village. They travel to a city and live together.

तबरना कथे

कन्नड़/177 मिनिट

निर्माताः अपूर्व चित्र, **निर्देशक/पटकथा लेखकः** गिरीश कासरवल्ली, **कलाकारः** चारु हासन, नलिना मूर्ति, कृष्णामूर्ति, जयराम, मास्टर सन्तोष, **संगीतकारः** एल० वैद्यनाथन, **छायाकारः** मधु अम्बाट, **ध्वनि आलेखकः** श्रीनिवासन, **संपादकः** एम०एन० स्वामी, **कला निर्देशकः** श्रीनिवास, **वेशभूषाकारः** सावन्त

नगरपालिका में चपरासी तबरा शेट्टी उस समय बहुत खुश होता है जब आजादी के बाद उसे कर वसूली के लिए नियुक्त किया जाता है। कॉफी उगाने वाले लोग विद्रोह कर देते हैं और कर देने से इंकार कर देते हैं। इस तरह तबरा जितना कर वसूल नहीं कर पाता उसके बराबर राशि नौकरी से रिटायर होने से पहले उसके वेतन में से काट ली जाती है। इस बीच उसकी पत्नी अप्पी बहुत बीमार पड़ जाती है और उसका गोद लिया बेटा बाबू गांव छोड़कर शहर चला जाता है। उधर पेंशन की मन्जूरी में लगातार देरी के कारण तबरा का आर्थिक संकट और गहरा हो जाता है।

TABARANA KATHE

Kannada/177 mins

Production: Apoorva Chitra, **Direction and Script:** Girish Kasaravalli, **Cast:** Charu Hasan, Nalina Murthy, Krishnamurthy, Jayaram, Master Santosh, **Music:** L. Vaidyanathan, **Camera:** Madhu Ambat, **Sound:** Sreenivasan, **Editing:** M.N. Swamy, **Art Direction:** Srinivas, **Costumes:** Sawanth

Tabara Setty, a municipality peon, feels proud when he is appointed a revenue collector in post-independence India. The coffee planters rise in revolt and refuse to pay tax. The uncollected tax is recovered by the municipal authorities from Tabara's salary just prior to his retirement. Meanwhile, his wife Appi falls seriously ill and his adopted son, Babu leaves the village for the city. Tabara's financial woes are increased by delays in the sanction of his pension.

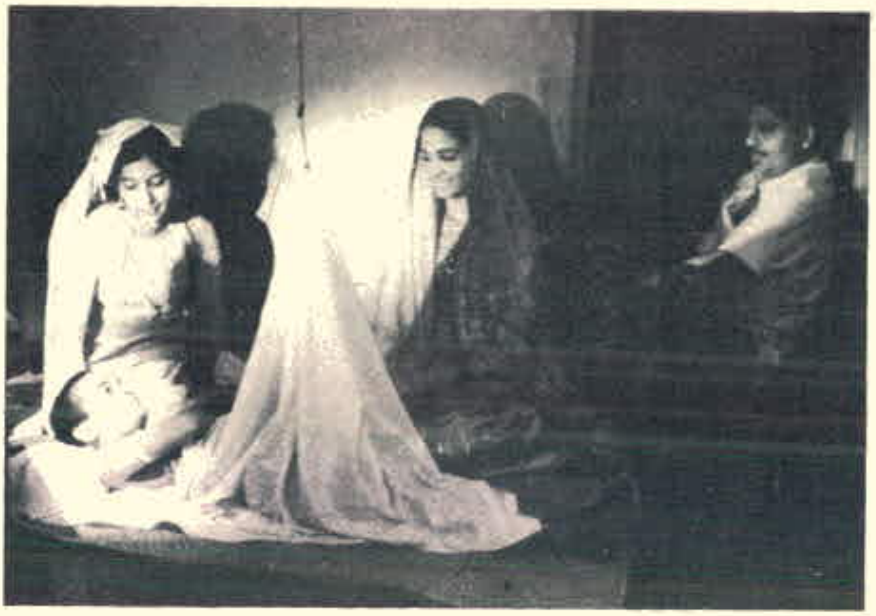

उप्पू

मलयालम/116 मिनिट

निर्माता/कथाकार/पटकथा लेखकः के०एम०ए० रहीम, **निर्देशकः** पवित्रन, **कलाकारः** पी०टी०के० मोहम्मद, जयललिता, विजयन कोट्टरातिल, रेणु नायर, **छायाकारः** मधु अम्बाट, **ध्वनि आलेखकः** देवदास, **संगीतकारः** शरतचन्द्र, **सम्पादकः** वेणुगोपाल, **कला निर्देशकः** सितारा, **वेशभूषाकारः** रामचन्द्रन

मालाबार में कॉडोट्टी नामक स्थान पर मूसा अपनी बेटी अमीना और दामाद आबू के साथ रहता है। मूसा एक जमाने में बहुत अमीर था लेकिन जमीन जायदाद की मुकदमेबाजी में सब कुछ गंवा बैठा। एक अमीर जमींदार मोइडुट्टी की अपनी पत्नी मरियम्बी से नहीं बनती और वह अमीना को चाहने लगता है। बिरादरी का मौलवी इसे जमींदार का परोपकार बताता है। आबू अमीना को तलाक दे देता है जिसके बदले मोइडुट्टी उसे काफी रुपये देता है। इसके बाद मोइडुट्टी अमीना से शादी कर लेता है और उसकी पहली पत्नी उसका घर छोड़कर चली जाती है। बीस साल बाद मोइडुट्टी की मृत्यु हो जाती है। अमीना को अकेले ही जिन्दगी गुजारनी पड़ती है, क्योंकि उसका लड़का बुरी संगत में फंस गया है और उसकी लड़की ड्राईवर के साथ भाग जाती है। एक रात को समुद्र के किनारे घूमते हुए अमीना की मुलाकात अपने पहले पति आबू से हो जाती है।

UPPU

Malayalam/116 mins

Production, Story, Script: K.M.A. Rahim, **Direction:** Pavithran, **Cast:** P.T.K. Mohamed, Jayalalitha, Vijayan Kottarathil, Renu Nair, **Camera:** Madhu Ambat, **Sound:** Devadas, **Music:** Saradchandra, **Editing:** Venugopal, **Art Direction:** Sithara, **Costumes:** Ramachandran

At Konodotty in Malabar, live Moosa, his daughter Amina and her husband Abu. Moosa was once a rich man, who has lost all his properties in civil litigations. Moidutty, a rich landlord, feels neglected by his wife, Mariyambi and feels attracted towards Amina. The community priest interprets this as an act of benevolence. Abu divorces Amina, for which Moidutty gives adequate compensation. Moidutty marries Amina, and the first wife leaves Moidutty's mansion. Twenty years later Moidutty is no more. Amina spends time in solitude, her son falls into bad company, and her daughter elopes with the family driver. One night walking along the sea shore, Amina encounters her first husband, Abu again.

वाचमैन

अंग्रेजी/27 मिनिट

निर्माताः टी०एस० नरसिंहम्, **निर्देशकः** शंकर नाग, **कलाकारः** गिरीश कर्नाड, प्रतिमा, सत्यनारायण, कल्पना, **छायाकारः** एस० रामचन्द्र, **ध्वनि आलेखकः** जी०वी० सोमशेखर, **संपादकः** सुरेश अर्स, **कला निर्देशकः** जॉन देवराज, **वेशभूषाकारः** सुन्दरश्री, **संगीतकारः** एल० वैद्यनाथन

एक गरीब बूढ़ा चौकीदार इस बात से बहुत दुखी है कि लोग उसके तालाब में खुदकशी करने आते हैं। एक दिन रात को वह देखता है कि एक दुखी युवती कमर तक पानी में खड़ी आत्महत्या करने को एकदम तैयार है।

WATCHMAN

English/27 mins

Production: T.S. Narasimhan, **Direction:** Shankar Nag, **Cast:** Girish Karnad, Pratima, Satyanarayana, Kalpana, **Camera:** S. Ramachandra, **Sound:** G.V. Somashekar, **Editing:** Suresh Urs, **Art Direction:** John Devaraj, **Costumes:** Sundarshree, **Music:** L. Vaidyanathan

A poor, old watchman is perturbed as people keep coming to his pond for suicide. One night, he chances on a young lady in distress, already waist-deep in water.

यह वो मंजिल तो नहीं

हिन्दी/134 मिनिट

निर्माता/निर्देशन/पटकथा लेखकः सुधीर मिश्र, **कलाकारः** हबीब तनवीर, पंकज कपूर, मनोहर सिंह, बी०एम० शाह, सुस्मिता मुखर्जी, कुसुम हैदर, **संगीतकारः** शारन्ग देव, **छायाकारः** देवलीन बोस, **ध्वनि आलेखकः** इन्द्रजीत नियोगी, हितेन्द्र घोष, **संपादकः** रेणु सलूजा, **कला निर्देशकः** अलोपी वर्मा, **वेशभूषाकारः** रति

तीन वृद्ध व्यक्ति अपने शहर लौटते हैं वहां, जिस विश्वविद्यालय में उन्होंने पढ़ाई की थी उसका शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। जब वे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को आन्दोलन करते देखते हैं तो उन्हें ब्रिटिश सरकार के खिलाफ राजनीतिक आन्दोलनों में अपने शामिल होने की बातें याद आ जाती हैं। 40 वर्ष पहले एक आतंकवादी के साथ उन्होंने जो धोखा किया था उसके प्रायश्चित स्वरूप में वे एक उग्रवादी छात्र को अपराधियों तथा पुलिस से बचाते हैं।

YEH WOH MANZIL TO NAHIN

Hindi/134 mins

Production, Direction and Script: Sudhir Mishra. **Cast:** Habib Tanveer, Pankaj Kapoor, Manohar Singh, B.M. Shah, Sushmita Mukherjee, Kusum Haidar. **Music:** Sharang Dev. **Camera:** Devlin Bose. **Sound:** Indrajit Neogy and Hitendra Ghosh. **Editing:** Renu Saluja. **Art Direction:** Alopi Verma. **Costumes:** Rati

Three old men return to their home town, where the university in which they had studied is celebrating its centenary. As they witness student and worker agitations, memories of their involvement in political movements against the British rule return. Betrayal of a terrorist forty years ago is attempted to be expiated by the rescue of a radical student from criminals and the police.

गैर कथाचित्र कथासार

SYNOPSES: NON-FEATURE FILMS

ए०बी०सी

अंग्रेजी/3 मिनिट

निर्माता: पी०बी० पेन्डारकर, फिल्म प्रभाग, बम्बई, **निर्देशक/ऐनिमेटर:** अरुण गोंगडे, **ऐनिमेशन छायाकार:** एम०एस० पटवारी, **शब्द (मूल):** जुल वेलानी

इस लघु ऐनिमेशन फिल्म में अन्धेपन की कठिनाईयों को चित्रित करते हुए लोगों से नेत्रदान करने की अपील की गई है।

A.B. SEE

English/3 mins

Production: P.B. Pendharkar, Films Division, Bombay. **Direction and Animation:** Arun Gongade. **Animation Photography:** M.S. Patwari, **Words (Basic):** Zul Vellani

This short animation film depicts the dark reality of blindness, and makes a fervent appeal to donate eyes.

क्लासिकल डांस फॉर्म्स ऑफ इण्डिया – कूडिआट्टम

अंग्रेजी/28 मिनिट

निर्माता: महानिदेशक, दूरदर्शन, **निर्देशक:** प्रकाश झा

यह फिल्म प्राचीन संस्कृत नाटक की कूडिआट्टम शैली के संबंध में है, जो संभवतः एकमात्र प्राचीन नाटक शैली है जो आज भी प्रचलित है। चकयार घराना के मणि माधव चकयार कूडिआट्टम के एक श्रेष्ठ कलाकार हैं और उन्होंने अपनी अभिनय शैली में निपुणता प्राप्त की है।

CLASSICAL DANCE FORMS OF INDIA – KOODIATTAM

English/28 mins

Production: Director General, Doordarshan, **Direction:** Prakash Jha

The film is on Koodiattam, probably the only form of old Sanskrit drama still in performance in contemporary times. Mani Madhava Chakyar, an exponent of the Chakyar Gharana, is an outstanding artist of Koodiattam and has excelled in his style of abhinaya.

ईक्वल पार्टनर्स

अंग्रेजी/53 मिनिट

निर्माता: वी०बी० चन्द्र, फिल्म प्रभाग, बम्बई, **निर्देशक:** यश चौधरी, **छायाकार:** एम०एस० पटवारी, सी०एल० कौल, बैजनाथ, **संगीतकार:** रघुनाथ सेठ, **पटकथा लेखक:** जगमोहन

यह फिल्म यूरोपीय आर्थिक समुदाय के देशों के साथ भारत के व्यापार के संबंध में है।

EQUAL PARTNERS

English/53 mins

Production: V.B. Chandra, Films Division, Bombay, **Direction:** Yash Chaudhury, **Camera:** M.S. Patwari, C.L. Kaul and Baijnath, **Music:** Raghunath Seth, **Script:** Jagmohan

The film gives an account of trade and commerce between India and the countries of the European Economic Community.

फॉर ए बैटर लिविंग

अंग्रेजी/15 मिनिट

निर्माता: पद्मालया महापात्र, घनश्याम महापात्र, **निर्देशक:** घनश्याम महापात्र

इस फिल्म में यह दिखाया गया है कि फल उगाना जन-जातीय लोगों के आर्थिक उत्थान का अच्छा साधन है।

FOR A BETTER LIVING

English/15 mins

Production: Padmalaya Mohapatra, Ghanashyam Mohapatra, **Direction:** Ghanashyam Mohapatra

The film highlights fruit cultivation by tribal people as a means for economic betterment.

इन्नर इंस्टिंक्ट्स

अंग्रेजी/20 मिनिट

निर्माता: कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, **निर्देशक:** पी० विजय कुमार

बिगड़े हुए बच्चों के संबंध में बनाई गई इस फिल्म में पर्यावरण के संदर्भ में किशोरों के गलत रास्ते पर जाने का विश्लेषण किया गया है।

INNER INSTICTS

English/20 mins

Production: Ministry of Welfare, Govt. of India. **Direction:** P. Vijay Kumar

A film on the understanding of juvenile delinquincy, it analyses delinquincy in relation to environment.

कामधेनु रिडीम्ड

अंग्रेजी/27 मिनिट

निर्माता: राधा नारायणन, मोहिउद्दीन मिर्जा **निर्देशक:** मोहिउद्दीन मिर्ज़ा

इस फिल्म में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए कृत्रिम वीर्य के उपयोग से गायों की संकर नस्लें तैयार करने का चित्रण है।

KAMDHENU REDEEMED

English/27 mins

Production: Radha Narayanan and Mohi-ud-Din Mirza **Direction:** Mohi-ud-Din-Mirza

The film shows methods of cross-breeding of cows by artificial insemination for increasing milk production.

कमला नेहरू

हिन्दी/20 मिनिट

निर्माता: उमा शंकर, **निर्देशक:** आशीष मुखर्जी, **संपादक:** मधु नायक, **कला निर्देशक:** नितीश मुखर्जी, **संगीत निर्देशक:** अपूर्व सेठ

यह लघु फिल्म कमला नेहरू के जीवन एवं स्वाधीनता आंदोलन में उनके योगदान का चित्रण करती है।

KAMALA NEHRU

Hindi/20 mins

Producer: Uma Shankar, **Director:** Ashish Mukherjee, **Editor:** Madhu Naik, **Art Director:** Nitish Mukherjee, **Music Director:** Apurba Seth.

This documentary depicts the life of Kamala Nehru and her role in the freedom movement.

द् लैण्ड ऑफ सैण्ड ड्यून्स

अंग्रेजी/40 मिनिट

निर्माता: ऑरकिड फिल्म्स प्रा० लि०, **निर्देशक/छायाकार/संपादक:** गौतम घोष, **आधार:** कन्हैयालाल शेतिया की राजस्थानी कविता, **उद्घोषक:** जगन्नाथ गुहा

इस फिल्म में राजस्थान की संस्कृति और इतिहास के एक कलाकार पर प्रभाव की अभिव्यक्ति हुई है। इसमें राजस्थान के ऐतिहासिक किलों से लेकर वर्तमान मेलों, शिल्पों, गायकों और खानाबदोश लोगों तक का चित्रण है।

THE LAND OF SAND DUNES

English/40 mins

Production: Orchid Films Pvt. Ltd., **Direction, Camera and Editing:** Gautam Ghose, **Based on a Rajasthani poem by:** Kanhaialal Shetia, **Commentary:** Jagannath Guha

The film is an artist's impression of Rajasthan's culture and history, from its historic fortresses to its present day fairs, crafts, singers and nomads.

दि लैण्ड वैर द विंड ब्लोज़ फ्री

अंग्रेजी/131 मिनिट

निर्माता: सांस्कृतिक मामलों के निदेशक, असम **निर्देशक:** चन्द्र नारायण बरुआ, **छायाकार:** दीन दयाल बजोरिया, **ध्वनि आलेखक:** जतिन शर्मा, **संपादक:** तरुण दत्त

इस लघु चित्र में असम के उत्तर काछार पर्वतीय क्षेत्रों में पनप रहे गैर जातीय कबीलों की पारम्परिक जीवन-शैली का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

THE LAND WHERE THE WIND BLOWS FREE

English/131 mins

Producer: Director of Cultural Affairs, Assam. **Director:** Chandra Narayan Barua. **Cameraman:** Din Dayal Bajoria. **Audiographer:** Jatin Sarma. **Editor:** Tarun Dutta.

The film records the life and culture of ethnic tribals, growing out of the soil and based on nature, who inhabit the north Cachar Hills district of Assam.

मित्रनिकेतन वैलानाड

अंग्रेजी/13 मिनिट

निर्माता: सिनेमार्ट फाऊंडेशन, **निर्देशक:** जगन्नाथ गुहा

मित्रनिकेतन केरल में त्रिवेन्द्रम के निकट एक गांव में स्थित संस्थान है जो ग्रामीण विकास में शिक्षा और शोध कार्य करती है। इस फिल्म में नारियल और ताड़ के पत्तों से तेल निकालने, काजू का तेल निकालने, पशु-पालन परियोजनाएं, धान की भूसी के वैकल्पिक ऊर्जा के साधन के रूप में इस्तेमाल तथा कृषि उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई है।

MITRANIKETAN VELLANAD

English/13 mins

Production: Cinemart Foundation. **Direction:** Jagannath Guha

Mitraniketan is an educational and research institute for rural development, situated in a village near Trivandrum. The film focusses on coconut palm leaf processing, cashew nut oil applications, dairy projects, rice husks as an alternative energy source and agricultural tools.

आवर इस्लामिक हेरिटेज – भाग 2

अंग्रेजी/21 मिनिट

निर्माता/निर्देशकः के०के० गर्ग, **छायाकारः** के०आर० दुरैस्वामी, डी०आर० हल्दान्कर, एस०एन० पटनायक, एस०के० विरमानी, **ऐनिमेटरः** गुरुचरणसिंह, जावेद एम० असलम, **संगीतकारः** रास बिहारी दत्त

इस फिल्म में भारत में इस्लामी कला के विभिन्न पक्ष दिखाए गए हैं। वह हिजरी सम्वत् के समारोह के दौरान राष्ट्रीय संग्रहालय में प्रदर्शित कलाकृतियों पर आधारित है।

OUR ISLAMIC HERITAGE– PART II

English/21 mins

Production and Direction: K.K. Garg. **Camera:** K.R. Doreswamy, D.R. Haldankar, S.N. Patnaik, S.K. Virmani. **Animation:** Gurucharan Singh, Javed M. Aslam. **Music:** Rash Behari Dutta

The film depicts various facets of Islamic art in India, as exhibited in the National Museum, during the celebration of the Hijri Era.

सिस्टर अलफोन्सा ऑफ भरानननगानम

अंग्रेजी/28 मिनिट

निर्माताः डेजो काप्पन एवं जार्ज सेबेस्टियन, **निर्देशकः** राजीव विजय राघवन, **छायाकारः** वेणुगोपाल, **संपादकः** बीना पाल, **संगीतः** आईजक थामस कोमीकापल्ली

इस फिल्म में भारत की एक रोमन कैथोलिक नन सिस्टर अलफोन्सा (1916-1960) के जीवन का चित्रण है, जिन्होंने एक कॉन्वेंट में अपने सादे और संक्षिप्त जीवन के दौरान बीमारी तथा मुसीबतों में अद्वितीय धैर्य का परिचय दिया।

SISTER ALPHONSA OF BHARANANGANAM

English/28 mins

Production: Dejo Kappen and George Sebastian. **Direction:** Rajiv Vijay Raghavan. **Camera:** Venugopal. **Editing:** Bina Paul. **Music:** Isaac Thomas Komikapally

The film traces the life of Sister Alphonsa (1916-1960), a simple Roman Catholic nun from India who, in her short and outwardly uneventful life in a convent, showed great fortitutde during tribulations and illness.

दि पोप मीट्स इन्डिया (समाचार चित्र संख्या 70)

अंग्रेजी/16 मिनिट

निर्माता: पी०बी० पेन्ढारकार, पी०एस० अर्शी, फिल्म प्रभाग, बम्बई, **छायाकार:** फिल्म प्रभाग की कैमरा टीम

इस समाचार चित्र में फरवरी 1986 में पोप जॉन पॉल द्वितीय की 10 दिन की भारत यात्रा का चित्रण है।

THE POPE MEETS INDIA (NEWS MAGAZINE No-70)

English/16 mins

Production: P.B. Pendharkar and P.S. Arshi Films Division, Bombay. **Camera:** Team of Films Division

This news magazine records the ten-day tour of His Holiness Pope John Paul II to India in February 1986.

दि स्टोरी ऑफ ग्लास

अंग्रेजी/25 मिनिट

निर्माता: एस० कुमार, निदेशक, सैन्ट्रल ग्लास एंड सिरैमिक रिसर्च इंस्टीच्यूट, **निर्देशक:** बुद्धदेब दासगुप्ता

इस फिल्म में कांच के इतिहास और उसके भविष्य का चित्रण करते हुए कांच के मनकों से लेकर आप्टिक फाइबर के विकास तक की कहानी दर्शाई गई है।

THE STORY OF GLASS

English/25 mins

Production: S. Kumar, Director, Central Glass and Ceramic Research Institute. **Direction:** Buddhadeb Dasgupta

The film illustrates the history and future of glass, from glass beads to optic fibres.

ट्री स्पाईसस: सिन्नमन भाग 1

अंग्रेजी/16 मिनिट

निर्माता: डी० गौतमन, फिल्म प्रभाग, बम्बई, **निर्देशक:** डी० गौतमन, **छायाकार:** शंकर पटनायक, **शब्द:** नीति रवीन्द्रन, **उद्घोषक:** बरुण हालदार, **पटकथा लेखक:** बी०के० भान, **संपादक:** बी०एस० त्यागी

इस फिल्म में भारत के एक प्रमुख मसाले, दालचीनी की खेती के वैज्ञानिक तरीकों का चित्रण किया गया है।

TREE SPICES: CINNAMON PART I

English/16 mins

Production: D. Gautaman, Films Division, Bombay. **Direction:** D. Gautaman. **Camera:** Shankar Patnaik. **Words:** Neethi Ravindran. **Voice:** Barun Haldar. **Script:** B.K. Bhan. **Editing:** B.S. Tyagi

The film depicts the scientific methods of growing and harvesting cinnamon, one of the major spice crops.

वी द पीपल ऑफ इण्डिया अंग्रेजी/22 मिनिट

निर्माता/पटकथा लेखक: एन०एस० थापा, **निर्देशक:** भानुमूर्ति अलूर, **छायाकार:** के०सी० कपूर, अनिल रानाडे, **ऐनिमेशन छायाकार:** बलदेव खोसला, एस०जी० माने, **संपादक:** हरीश राव, गुल गिडवानी, एस०बी० राने, **शोधकर्ता:** पार्थसारथी घोष, सुभद्रा नरवेकर, भानुमूर्ति अलूर

यह फिल्म स्वतंत्रता संग्राम पर बनाई जा रही फिल्मों की शृंखला की एक कड़ी है। इसमें भारत के संविधान के निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है।

WE THE PEOPLE OF INDIA

English/22 mins

Production and Script: N.S. Thapa. **Direction:** Bhanumurthy Alur. **Camera:** K.C. Kapoor, Anil Ranade. **Animation Photography:** Baldev Khosla and S.G. Mane. **Editing:** Harish Rao, Gul Gidwani, S.B. Rane. **Research:** Parthasarathy Ghosh, Subhadra Narvekar, Bhanumurthy Alur

This film is part of a series of films on the freedom struggle. The film deals with various aspects of the framing of India's Constitution.

फिल्म समारोह निदेशालय, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा संकलित; विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुसज्जित एवं निर्मित तथा अजन्ता ऑफसैट एंड पैकेजिग्स लिमिटेड, दिल्ली में मुद्रित।

सं० 2/1/87–PPIV हिन्दी/अंग्रेजी–3,500 सितम्बर, '87

Compiled by the Directorate of Film Festivals, NFDC Ltd; designed and produced by the Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ministry of I&B, Government of India and Printed at Ajanta Offset and Packagings Ltd., Delhi.

No. 2/1/87-PPIV Hindi/English–3,500 Sept. '87